राजस्थान राज्य भारत स्काउट व गाइड संगठन की मासिक पत्रिका

स्काउट गाइड ज्योति

वर्ष–23 | अंक–09 | अप्रेल, 2023 | कुल पृष्ठ–32 | मूल्य–₹15

राज्य कार्यकारिणी को संबोधित करते हुए स्टेट चीफ कमिश्नर श्री निरंजन आर्य (बीच में) एवं
श्री खाटूश्याम जी के लक्खी मेले में सेवा देने वाले स्काउट्स गाइड्स व रोवर रेंजर्स का ग्रुप फोटो

शिविर के दौरान योगाभ्यास करते स्काउट्स

जयपुर में प्रशिक्षण प्राप्त करते अनुसूचित जाति व जनजाति के स्काउट्स

नर्सरी में पौधों के बीजारोपण से उनकी सार–संभाल तक की जानकारी प्राप्त करते हुए स्काउट गाइड

स्काउट गाइड ज्योति
वर्ष : 23 अंक : 09
अप्रेल, 2023

सलाहकार मण्डल

निरंजन आर्य
आई.ए.एस. (से.नि.)
स्टेट चीफ कमिश्नर

गौरव अग्रवाल, आई.ए.एस.
स्टेट कमिश्नर (स्काउट)

निर्मल पंवार
स्टेट कमिश्नर (रोवर)

डॉ. भंवर लाल, आई.ए.एस.
स्टेट कमिश्नर (कब)

महेन्द्र कुमार पारख, आई.ए.एस.
स्टेट कमिश्नर (एडल्ट रिसोर्स)

रूक्मणि आर.सिहाग, आई.ए.एस.
स्टेट कमिश्नर (गाइड)

शुचि त्यागी, आई.ए.एस.
स्टेट कमिश्नर (रेंजर)

टीना डाबी, आई.ए.एस.
स्टेट कमिश्नर (बुलबुल)

मुग्धा सिन्हा, आई.ए.एस.
स्टेट कमिश्नर (एडल्ट रिसोर्स)

स्टेट कमिश्नर (हैडक्वार्टर्स–स्काउट)
नवीन महाजन, आई.ए.एस.
नवीन जैन, आई.ए.एस.
डॉ. एस.आर. जैन
एस.के.सोलंकी, आई.ए.एस.(से.नि.)
डॉ. अखिल शुक्ला

स्टेट कमिश्नर (अहिंसा, शांति–समन्वय)
मनीष कुमार शर्मा

राज्य कोषाध्यक्ष
ललित कुमार मोरोडिया

सम्पादक

डॉ. पी.सी.जैन
राज्य सचिव

सहायक सम्पादक

नीरज जैन

इस अंक में

	विषय	पृष्ठ संख्या
•	दिशाबोध	4
•	संपादकीय	4
•	राज्य कार्यकारिणी समिति : 28 मार्च, 2023	5
•	मण्डल स्तरीय कब–बुलबुल उत्सव	6
•	18वीं राष्ट्रीय जम्बूरी	7
•	स्काउट गाइड सेवा शिविर–श्री खाटूश्याम जी	8
•	स्काउटिंग में खेल और प्रतियोगिताएं	10
•	परहित	11
•	गतिविधि दर्पण	12
•	अनुशासन की महत्ता	17
•	हमारे महापुरुष : डॉ. बी.आर. अम्बेडकर	18
•	हमारा स्वास्थ्य : अलसी के असरकारी नुस्खे	19
•	पर्यटन स्थल : रहस्यमयी भानगढ़ किला	20
•	वार्षिक कार्यक्रम : सत्र 2023–24	22
•	विश्व के फेमस स्काउट्स – अंतरिक्ष यात्री नील आर्मस्ट्रांग	28
•	दक्षता पदक–सुरक्षा ज्ञान	29
•	गतिविधि पञ्चांग	30

लेखकों से निवेदन

स्काउट गाइड ज्योति का प्रकाशन मात्र प्रकाशन भर नहीं है बल्कि यह पत्रिका हमारे संगठन का दर्पण है, जो आयोजित हो चुकी गतिविधियों को प्रस्तुत करने, संगठन के कार्यों और इसके प्रशिक्षण तथा अन्य समाजोपयोगी क्रियाकलापों के विचारों को प्रकट करने का सशक्त माध्यम है।

समस्त पाठकों, सृजनात्मक एवं रचनाधर्मी प्रतिभाओं से स्वलिखित, मौलिक व पूर्व में अप्रकाशित स्काउटिंग गाइडिंग से संबंधित लेख, यात्रा वृत्तान्त, कैम्प क्राफ्ट संबंधी लेख, प्रशिक्षण विधि, पाठक प्रतिक्रिया आदि प्रकाशनार्थ आमंत्रित हैं। आपके अनुभव प्रत्येक स्काउट गाइड के लिए अमूल्य हैं। आप द्वारा प्रेषित सामग्री आपके नाम व फोटो के साथ प्रकाशित की जावेगी। लेख स्पष्ट टंकित हो तथा उस पर यह अवश्य लिखा हो कि 'यह लेख मौलिक एवं अप्रकाशित है'।

प्रकाशनार्थ सामग्री हमारी ईमेल आई.डी. **scoutguidejyoti@gmail.com** पर भिजवाई जा सकती हैं।

स्काउट गाइड ज्योति वार्षिक सदस्यता शुल्क	आजीवन सदस्यता शुल्क
व्यक्तिगत शुल्क :100/– संस्थागत शुल्क :150/–	1200/–

शुल्क राशि राज्य मुख्यालय जयपुर पर एम.ओ. अथवा 'राजस्थान स्टेट भारत स्काउट एण्ड गाइड, जयपुर' के नाम डिमान्ड ड्राफ्ट द्वारा जमा कराई जा सकती है।

नोट : स्काउट गाइड ज्योति में छपे/व्यक्त विचार प्रस्तोता के अपने हैं। यह जरूरी नहीं है कि संगठन इनसे सहमत ही हो।

दिशाबोध

निभानी है मार्गदर्शक की भूमिका

यह कहने में कोई अतिश्योक्ति नही है कि स्काउटिंग–गाइडिंग बालक बालिकाओं, युवक–युवतियों को श्रेष्ठ नागरिक बनाने का सर्वमान्य एवं स्वीकृत प्रशिक्षण है।

मुझे यह बताते हुए गर्वानुभूति है कि हमारे प्रदेश के लोकप्रिय मुख्यमंत्री श्री अशोक जी गहलोत ने सत्र 2023–24 के बजट में लक्ष्मणगढ़ (सीकर) में स्काउट आवासीय विद्यालय खोलने एवं राजस्थान राज्य पथ परिवहन निगम की बसों में राष्ट्र स्तरीय प्रमाण–पत्र धारी स्काउट गाइड को निःशुल्क यात्रा की घोषणा कर उक्त कथन को मान्यता प्रदान की है। मैं प्रदेश स्काउट गाइड संगठन की ओर से माननीय मुख्यमंत्री जी को आभार व्यक्त करता हूँ।

मुझे आशा ही नहीं अपितु पूर्ण विश्वास है कि राज्य सरकार एवं माननीय मुख्यमंत्री जी के इस संगठन के प्रति आशा भरे विश्वास को हम और अधिक सुदृढ़ करेंगे। यह बजट घोषणा स्काउट गाइड आन्दोलन को नई शक्ति, नई क्षमता व नई प्रेरणा प्रदान करने में सहायक सिद्ध होगी।

आन्दोलन के प्रशिक्षण को हमारे हजारों स्काउटर बन्धु व गाइडर बहिनें बालकों व बालिकाओं तक पहुंचाने में निःस्वार्थ भाव से सेवा कर रहे हैं, ये समस्त कार्यकर्ता हमारी शक्ति का मुख्य स्त्रोत हैं। जितना यह बल बढ़ेगा, आन्दोलन उतनी ही प्रगति करेगा। सभी से आव्हान है कि हमें अधिकाधिक स्काउटर गाइडर तैयार कर अपने संगठन का धरातल विकसित करते हुए आन्दोलन को प्रगति की राह पर तेजी से अग्रसर करना है। साथ ही, एक प्रकाश–स्तम्भ की तरह स्थापित होकर अन्य राज्यों के लिए मार्गदर्शक की भूमिका का निर्वहन भी करना है।

हार्दिक शुभकामनाओं सहित .....

निरंजन आर्य
स्टेट चीफ कमिश्नर

संपादकीय

स्काउटिंग सेवाव्रत धारी संगठन है। हर समय सेवा करने को उद्यत रहने की बात स्काउट गाइड आन्दोलन सिखाता है। स्काउट संगठन को आज पूरे विश्व में सेवाभावी संगठन के रूप में पहचाना जाता है। स्काउटिंग गाइडिंग को सेवा का पर्याय कहा जाता है।

हमें यह बताते हुए गर्वानुभूति है कि इसी उद्देश्य की पूर्ति हेतु हमारे जिला मुख्यालय, सीकन ने प्रतिवर्ष की भांति इस वर्ष भी श्री खाटूश्याम जी के मेले के अवसर पर स्काउट गाइड सेवा शिविर का आयोजन कर देश–विदेश से आने वाले दर्शनार्थियों को अपनी विविध प्रकार के सेवाओं से लाभान्वित किया। इस सेवा शिविर में एक हजार से अधिक स्काउट गाइड रोवर रेंजर द्वारा दी गई सेवाओं से अभिभूत होकर हमारे राज्य के अनेक प्रशासनिक अधिकारियों ने कहा कि स्काउट गाइड द्वारा दी जा रही निःशुल्क सेवाएं इतनी उत्कृष्ट है कि ये हमारे प्रदेश को राष्ट्रीय स्तर पर अलग पहचान दिलाने में सहायक है। यही सेवा का आलम पूरे प्रदेश में वर्ष पर्यन्त देखने को मिलता है।

हमें जानना है कि मानव जीवन स्वर्णिम उपलब्धि है, जिसे ईश्वर ने हमें अपने उत्तम उद्देश्य की पूर्ति हेतु प्रदान किया है। वह उत्तम उद्देश्य 'पर सेवा' ही है। जिसने अपने जीवन को सवा में नहीं लगाया उसने जीवन के असली उद्देश्य को समझा ही नहीं।

सेवा को भक्ति भी कहा गया है और यह भक्ति ही हमारे संगठन की शक्ति है। अतः सभी स्काउट गाइड रोवर रेंजर से यह अपेक्षा की जाती है कि वे प्रतिदिन कोई न कोई सेवा का कार्य अवश्य करें।

डॉ. पी.सी. जैन
राज्य सचिव

राज्य कार्यकारिणी समिति : 28 मार्च, 2023

राजस्थान राज्य भारत स्काउट व गाइड संगठन की राज्य कार्यकारिणी समिति की बैठक दिनांक 28.3.2023 को सायं 4:00 बजे राज्य मुख्यालय, जयपुर पर संगठन के माननीय स्टेट चीफ कमिश्नर श्री निरंजन आर्य की अध्यक्षता में सम्पन्न हुई, जिसमें संगठन के स्टेट कमिश्नर (स्काउट) श्री गौरव अग्रवाल वेबीनार के माध्यम से तथा स्टेट कमिश्नर (हैडक्वाटर) डॉ. अखिल शुक्ला, स्टेट ट्रेजरार श्री ललित कुमार मोरोडिया, राज्य सचिव डॉ. पी. सी. जैन, सहायक स्टेट कमिश्नर (स्काउट) डॉ. आलोक शर्मा, श्री विमल चौहान, सहायक स्टेट कमिश्नर (गाइड) डॉ. सुषमा सिंघवी, जिला मुख्य आयुक्त सवाईमाधोपुर के श्री गोविन्द प्रसाद बंसल, झुंझुंनू की श्रीमती अनुसूईया, जयपुर के श्री सुभाष चन्द्र यादव, अलवर की श्रीमती पूनम गोयल, दौसाके श्री गोविन्द नारायण माली, कोटाकी श्रीमती निर्मल कुमारी मेहरा, झालावाड़ की श्रीमती उत्तरा मेहरा, उदयपुर के श्री महेन्द्र कुमार त्रिवेदी, पाली के प्रतिनिधि श्री प्रकाश चन्द सिंगाडिया सहित राज्य संगठन के अधिकारी उपस्थित रहे।

प्रार्थना के उपरान्त राज्य सचिव डॉ. पी. सी. जैन द्वारा सभी सदस्यों का शाब्दिक स्वागत कर गत कार्यकारिणी समिति की मीटिंग का कार्यवृत पुष्टि हेतु प्रस्तुत किया गया, जिसकी समिति द्वारा पुष्टि की गई। गत कार्यकारिणी सभा की अनुपालना रिपोर्ट राज्य संगठन आयुक्त (स्काउट) श्री पूरण सिंह शेखावत द्वारा बिन्दुवार प्रस्तुत की गई, जिसका अनुमोदन किया गया। दिनांक 22.3.2023 को आयोजित हुई वित्त समिति की बैठक का कार्यवृत राज्य कोषाध्यक्ष श्री ललित कुमार मोरोड़िया द्वारा प्रस्तुत किया गया। वित्त समिति की अभिशंसाओं पर विचार–विमर्श कर सदन द्वारा स्वीकृति प्रदान की गई।

स्टेट कमिश्नर (हैडक्वाटर) डॉ. अखिल शुक्ला द्वारा यह भी सुझाव दिया गया कि 18वीं राष्ट्रीय जम्बूरी का विडियो एवं फोटो प्रदर्शनी सभी जिलों व स्थानीय संघ स्तर पर निरन्तर दिखाई जावे।

स्टेट कमिश्नर (हैडक्वाटर) डॉ. एस.आर. जैन द्वारा जम्बूरी के लिए स्वीकृत राशि एवं बची सामग्री के संबंध में लिखित सुझाव प्रेषित किया था, तदनुसार सदन को अवगत कराया गया, जिसका सदस्यों द्वारा अनुमोदन किया गया। वर्ष 2023–24 का वार्षिक कार्यक्रम सुश्री सुयश लोढा, कार्यवाहक राज्य संगठन आयुक्त (गाइड) द्वारा प्रस्तुत किया गया, जिसका सर्वसम्मति से अनुमोदन किया गया।

स्टेट प्लानिंग कमेटी की मीटिंग दिनांक 9 मार्च, 2023 का कार्यवृत राज्य संगठन आयुक्त (स्काउट) द्वारा बिन्दुवार सदन के समक्ष प्रस्तुत किया गया, जिसे स्वीकृति प्रदान की गई। जिसके अनुसार संख्यात्मक एवं गुणात्मक वृद्धि के लक्ष्यों को जिले के स्थानीय संघ व गणना के अनुसार स्वीकार किया गया। साथ ही सर्कल ऑर्गेनाइजर (स्काउट/गाइड), सहायक राज्य संगठन आयुक्त (गाइड), राज्य प्रशिक्षण आयुक्त (गाइड) व अन्य पदों के सृजन हेतु राज्य सरकार को निवेदन किया जावे।

अध्यक्ष महोदय की स्वीकृति से अन्य प्रस्तावों व सुझावों पर विचार–विमर्श कर निर्णय लिये गये। जिला मुख्य आयुक्त श्री गोविन्दनारायण माली ने सुझाव दिया कि नये जिलों की कार्यवाही प्रारम्भ की जावे तथा दौसा में ब्लॉक के अनुसार स्थानीय संघों का गठन किया जावे। "नो बैग डे" के अवसर पर जम्बूरी सी.डी. उपलब्ध कराई जावे तथा विद्यालयों में स्कूल यूनिफार्म के स्थान पर स्काउट गाइड यूनिफार्म बनाने का प्रस्ताव निदेशक महोदय एवं राज्य सरकार को भेजे जावें। बेसिक कोर्स का आयोजन ग्रीष्मावकाश (माह मई) में भी किया जावे। डॉ. आलोक शर्मा, सहायक स्टेट कमिश्नर (स्काउट) ने सुझाव दिया कि प्रशिक्षण केन्द्रों में वृद्धि की जावे एवं स्किल डवलपमेंट (अभिरूचि केन्द्र) का प्रशिक्षण ग्रीष्मावकाश में आयोजित किया जावे।

शेष पृष्ठ सं. 16 पर

मण्डल स्तरीय कब-बुलबुल उत्सव

महेश कालावत
सी.ओ. स्काउट, झुंझुनू

राजस्थान राज्य भारत स्काउट गाइड मंडल मुख्यालय बीकानेर के तत्वावधान में पंचम शांति भंडारी कब बुलबुल उत्सव दिनांक 25 से 27 मार्च तक मंडल प्रशिक्षण केंद्र रिडमलसर बीकानेर पर आयोजित किया गया, जिसमें बीकानेर मंडल के हनुमानगढ़, श्रीगंगानगर, बीकानेर, चूरु तथा झुंझुनू के 150 से अधिक कब बुलबुल ने हिस्सा लिया।

कब बुलबुल उत्सव के दौरान विभिन्न प्रकार की प्रतियोगिताएं जैसे विशाल गर्जना, बड़ी सलामी, टोटल पोल, बुलबुल ट्री, घेरे छक्के के गीत, लोक नृत्य, लोक गीत, देशभक्ति गीत, विचित्र वेशभूषा जैसी प्रतियोगिताओं का आयोजन किया गया।

झुंझुनू के ज्योति विद्यापीठ सीनियर सेकैंडरी स्कूल बगड़ ने कब विभाग तथा शांति विद्या निकेतन सेकैंडरी स्कूल बीकानेर ने बुलबुल में प्रथम स्थान प्राप्त किया।

उत्सव का उद्घाटन भूदान यज्ञ बोर्ड के अध्यक्ष राज्य मंत्री राजस्थान सरकार लक्ष्मण कड़वासरा तथा अतिरिक्त जिला कलेक्टर पंकज शर्मा के सान्निध्य में किया गया तथा समापन समारोह का आयोजन अतिरिक्त संभागीय आयुक्त ए.एच. गौरी के मुख्य आतिथ्य तथा सहायक स्टेट कमिश्नर राजेंद्र जोशी की अध्यक्षता में किया गया।

इस अवसर पर विभिन्न प्रतियोगिता में प्रथम स्थान प्राप्त करने वाले कब बुलबुल विद्यालयों को स्मृति चिन्ह एवं प्रशस्ति पत्र देकर सम्मानित किया गया।

कार्यक्रम की प्रभावी मॉनिटरिंग सहायक राज्य संगठन आयुक्त मानमहेन्द्र सिंह भाटी द्वारा की गई तथा पूर्व मंडल सचिव एवं सेवानिवृत्त सहायक राज्य संगठन आयुक्त देवानंद पुरोहित तथा सेवानिवृत्त सहायक राज्य संगठन आयुक्त घनश्याम व्यास द्वारा सहयोग प्रदान किया गया। झुंझुनूं सी.ओ. स्काउट महेश कलावत एवं सी.ओ. गाइड ज्योति रानी महात्मा, रामेश्वर मारू ने उत्सव को सफल बनाने में अपना विशेष योगदान दिया।

जम्बूरी की यादें

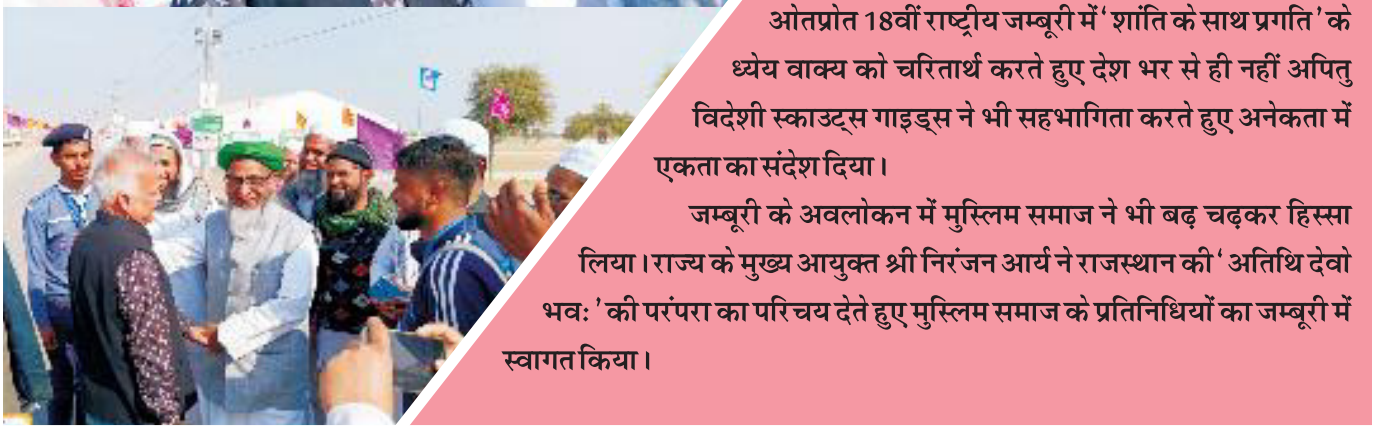

18वीं राष्ट्रीय जम्बूरी

वसुधैव कुटुम्बकम् की बनीं परिचायक

अनेकता में एकता और राष्ट्रीयता की भावना से ओतप्रोत 18वीं राष्ट्रीय जम्बूरी में 'शांति के साथ प्रगति' के ध्येय वाक्य को चरितार्थ करते हुए देश भर से ही नहीं अपितु विदेशी स्काउट्स गाइड्स ने भी सहभागिता करते हुए अनेकता में एकता का संदेश दिया।

जम्बूरी के अवलोकन में मुस्लिम समाज ने भी बढ़ चढ़कर हिस्सा लिया। राज्य के मुख्य आयुक्त श्री निरंजन आर्य ने राजस्थान की 'अतिथि देवो भव:' की परंपरा का परिचय देते हुए मुस्लिम समाज के प्रतिनिधियों का जम्बूरी में स्वागत किया।

सेल्फी रिंग्स के साथ एस.डी.सी. हब

जम्बूरी में बनाये गये एस.डी.सी. हब में स्काउट्स गाइड्स ने सस्टेनेबल डवलपमेंट गोल्स की जानकारी तो प्राप्त की ही, वहीं सेल्फी रिंग्स के साथ सेल्फी खिंचवाना नहीं भूलते थे।

स्काउट गाइड सेवा शिविर

श्री खाटूश्यामजी फाल्गुन लक्खी मेला

बसन्त कुमार लाटा

हर वर्ष की भॉति नये जोश नई ऊर्जा के साथ श्री खाटूश्यामजी के फाल्गुन मेले में 24 फरवरी से 4 मार्च तक पूरे राज्य ही नही पूरे राष्ट्र में अपनी पहचान तथा जन साधारण पर सेवा की अमिट छाप छोड़ने वाले ऐतिहासिक सेवा शिविर का आयोजन सफलता एवं ऐतिहासिक उपलब्धियों के साथ सम्पन्न हुआ।

पूरे मेला क्षेत्र एवं रीगस से खाटू व पलसाना तक 50 किलोमीटर के क्षेत्र एवं विभिन्न रास्तों में स्काउट गाइड आन्दोलन के कर्मठ एवं ऊर्जावान स्काउटर, गाइडर सदस्यों के सहयोग में 1051 स्काउट, गाइड, रोवर, रेन्जर, स्काउट मास्टर, गाइड कैप्टिन, ट्रेनिंग काउन्सलर, सचिव एवं सहायक जिला कमिश्नर स्काउट, सी.ओ. स्काउट व गाइड ने लगातार दिन–रात निःशुल्क सेवाएं प्रदान करते हुए 1 लाख 51 हजार 384 घण्टे की सेवाएं प्रदान की। जिसमें प्रत्येक स्काउट गाइड ने 9 दिन तक प्रतिदिन 16 से अधिक घण्टे सेवा की। इस सेवा शिविर में सीकर क्षेत्र के सभी स्थानीय संघों के अलावा अलवर, जयपुर, श्रीगंगानगर, पाली, बून्दी, दौसा जिलों के स्काउट व रोवर्स ने भाग लिया।

सेवा के रूप अनेक

1. उद्घोषणा 15 हजार से अधिक उद्घोषणा करवाई व पर्चियां बनवाई
2. खोया पाया 3432 वस्तुएं जमा करवाई व सम्बन्धित तक पहुँचाई, जिसमें मुख्य रूप से 30 मोबाइल, बैग, 8 हाथ घड़ी, 23 पर्स, एटीएम कार्ड, लाईसेन्स, नकद राशि, थैले आदि थे।
3. श्याम कुण्ड में भोजन एवं नाश्ते के पैकेट तैयार कराना व वितरण करना।
4. 2 हजार गुमशुदा लोगों को परिजनों से मिलवाना।
5. बेरिकेटिंग में दर्शनार्थियों को लाखों पानी के पाउचों का वितरण।
6. प्राथमिक चिकित्सा में सहयोग एवं श्रद्धालुओं को अस्पताल पहुँचाना।
7. भीड़ नियन्त्रण कार्य कर दर्शनार्थियो को सहज व सुलभ दर्शन कराने में मदद की।
8. प्रतिदिन 1 हजार से अधिक स्काउट गाइड ने बेरिकेटिंग एवं उसके आस–पास से 3 ट्रॉली पॉलीथिन उठाई व खाटू नगरी को स्वच्छ बनाने में सहयोग प्रदान किया।
9. 10 हजार से अधिक दिव्यांगों व वृद्धजन को ट्राइ साइकिल से दर्शन में सहयोग।
10. इस वर्ष जूते–चप्पल को व्यवस्थित रखने के उद्देश्य से उनके जोड़े बनाने का विशेष कार्य किया गया, जिससे खोने का डर ना रहा।
11. उक्त के अतिरिक्त पूछताछ केन्द्र, पार्किंग स्थल, धर्मशाला, प्रसाद वितरण

बेरिकेटिंग के समीप सेवा देते हुए स्काउट्स

शिविर में शिरकत करते हुए राज्य सचिव डॉ. पी.सी. जैन, राज्य संगठन आयुक्त (स्काउट) श्री पूरण सिंह शेखावत, का. राज्य संगठन आयुक्त (गाइड) सुश्री सुयश लोढ़ा, सहा.राज्य संगठन आयुक्त (गाइड) श्रीमती नीता शर्मा

केन्द्र आदि अनेक स्थानों पर प्रत्येक कार्य में सेवा को तत्पर स्काउट गाइड ने दिन–रात सेवा कार्य किये।

शिविर का अवलोकन

जिला कलक्टर सीकर डॉ. अमित यादव, पुलिस अधीक्षक सीकर श्री करन शर्मा, मेला मजिस्ट्रेट खाटूश्यामजी मेला एवं उप खण्ड अधिकारी दांतारामगढ़ सुश्री प्रतिभा वर्मा, राज्य सचिव डॉ. पी.सी. जैन, अध्यक्ष श्रीश्याम मन्दिर कमेटी खाटूश्यामजी श्री प्रताप सिंह चौहान, राज्य संगठन आयुक्त (स्काउट) श्री पूरण सिंह शेखावत, कार्यवाहक राज्य संगठन आयुक्त (गाइड) सुश्री सुयश लोढ़ा, सहा.राज्य संगठन आयुक्त (गाइड) श्रीमती नीता शर्मा एवं अनेक सर्कल ऑर्गेनाइजर्स ने श्री खाटू श्यामजी के दर्शन कर स्काउट्स गाइड्स द्वारा किये जा रहे सेवा कार्यों का अवलोकन कर उनका उत्साहवर्धन किया तथा स्काउट गाइड की ऐसी विशिष्ट सेवाएं देख कर आल्हादित हुए।

सेवा से अभिभूत

सेवा से अभिभूत प्रत्येक दर्शनार्थी में इनके प्रति आदर एवं सम्मान का भाव देखा गया। हर कोई इन्हें अपने–अपने तरीके से धन्यवाद ज्ञापित करने को उत्सुक था।

मेला समापन समारोह में जिला कलक्टर सीकर डॉ. अमित यादव ने कहा कि खाटूश्यामजी मेले को सम्पन्न करवाने में स्काउट गाइड की सेवाओं का अनुकरणीय योगदान रहा, जिसके कारण मेला सुव्यवस्थित सम्पन्न हो सका। मैं स्काउट गाइड व इनके संचालक मण्डल के सेवा के जज्बे को सलाम करता हूँ एवं कन्धे से

अव्यवस्थित जूते/चप्पलों के जोड़े बनाते हुए स्काउट्स

कन्धा मिलाकर 9 दिन चौबिसों घण्टे दी गई अनुकरणीय सेवाओं के लिए प्रशासन की ओर से धन्यवाद ज्ञापित करता हूँ। डॉ. यादव ने कहा कि स्काउट गाइड आन्दोलन चरित्र, स्वास्थ्य, स्वावलम्बन और सेवा का प्रतीक है, जो बालक बालिकाओं को सुनागरिकता की शिक्षा प्रदान करता है।

भामाशाहों का सहयोग–

भामाशाहों द्वारा किया गया सहयोग निम्नानुसार है –

- ✓ स्काउट्स की रहने एवं बिस्तरों की व्यवस्था श्री श्यामन्दिर कमेटी खाटूश्यामजी द्वारा की गई तथा भोजन व्यवस्था श्री श्याम मन्दिर कमेटी के सहयोग से भिवानी हरियाणा निवासी श्री कृष्ण कुमार मित्तल तथा नाश्ता व्यवस्था श्री श्याम अखण्ड ज्योति सेवा समिति सूरत द्वारा की गई।
- ✓ जिला कलक्टर सीकर डॉ. अमित यादव के निर्देश पर श्री श्याम मन्दिर कमेटी खाटूश्यामजी द्वारा सभी स्काउट्स को एक–एक ठण्डे पानी की बोतल, प्रमाण पत्र, भाग्योदय प्रकाशन की ओर से एक–एक प्रतीक चिन्ह प्रदान कर सम्मानित किया गया।
- ✓ स्काउट्स गाइड्स के आने जाने के किराये की व्यवस्था श्रीश्याम मन्दिर कमेटी खाटूश्यामजी द्वारा की गई।

आभार

मेले के समापन के अवसर पर डॉ. अमित यादव, अतिरिक्त जिला कलक्टर सीकर श्री राकेश कुमार, मेला मजिस्ट्रेट डॉ. प्रतिभा वर्मा ने उत्कृष्ट सेवाओं के लिए भारत स्काउट व गाइड, जिला मुख्यालय, सीकर एवं सी.ओ. (स्काउट) बसन्त कुमार लाटा का प्रशस्ति पत्र व श्रीश्यामजी का दुपट्टा एवं श्री श्यामजी की तस्वीर प्रदान कर सम्मानित किया।

हमारे द्वारा किये गये इस सेवा कार्यों की सराहना करते हुए राज्य संगठन, मण्डल संगठन, जिला प्रशासन, जिला शिक्षा अधिकारी सीकर, ग्राम पंचायत खाटू आदि ने आभार व्यक्त किया तथा समस्त सी.ओ. जयपुर, अलवर, दौसा, श्रीगंगानगर, पाली, बूंदी तथा स्थानीय संघ मुख्यालयों के प्रभारी कमिश्नर, सचिव, संस्था प्रधान, स्काउट मास्टर, रोवर लीडर, गाइड कैप्टिन एवं 1051 स्काउट गाइड का आभार व्यक्त करते हैं जिनका पूर्ण सहयोग व मार्गदर्शन प्राप्त हुआ, जिसकी बदौलत यह ऐतिहासिक सेवा कार्य बिना किसी व्यवधान के डेढ़ लाख घण्टों के साथ सम्पन्न हुआ।

शिविर संचालक एवं
सी.ओ.स्काउट, सीकर

CELEBRATIONS DAYS : APRIL-MAY 2023

22 April	:	World Earth Day
23 April	:	World Book Day
15 May	:	World Family Day
18 May	:	International Museum Day
22 May	:	International Day for Biological Diversity
30 May	:	Hindi Journalism Day
31 May	:	World No-Smoking Day

Plan an activity with your unit on these days and send your success stories & photos to "scoutguidejyoti@gmail.com"

स्काउटिंग में खेल और प्रतियोगिताएं

प्रस्तोता - रामावतार सबलानियां

स्वस्थ शरीर में ही स्वस्थ मस्तिष्क निवास करता है। छात्र जीवन में बालक के शारीरिक व मानसिक स्वास्थ्य के लिए खेल आवश्यक है। सह शैक्षिक गतिविधि स्काउटिंग के माध्यम से बालक की इस आवश्यकता की पूर्ति आसानी से हो जाती है। स्काउटिंग एक खेल है जिसमें बालक को खेल–खेल में ही जीवन उपयोगी बातें सिखाई जाती है और वह ज्ञानार्जन कर लेता है। बालकों को खेल देकर हम उन्हें अपना बना सकते हैं। बालकों में छुपी हुई प्रतिभा खेलों के द्वारा ही प्रकट होती है। कहा जाये तो खेल ही 'महा शिक्षक' है। जीवन के हर उम्र के लोगों के लिए उनकी शारीरिक व मानसिक क्षमताओं के अनुरूप खेल खेलने का अपना–अपना तरीका होता है जिसके माध्यम से व्यक्ति अपनी शारीरिक व मानसिक आवश्यकताओं की पूर्ति करता है।

स्काउटिंग की सभी गतिविधियों में खेल व प्रतियोगिताओं की झलक नज़र आती है। स्काउट बालक उन सभी गतिविधियों को सहर्ष नियमानुसार पूर्ण करके अन्य से और अच्छा करने का प्रयास करता है।

खेल के माध्यम से गुणों का विकास :

1. नेतृत्व क्षमता का विकास, 2. स्वयं पर नियंत्रण, 3. टोली का महत्त्व, 4. आज्ञा पालन, 5. अनुशासन, 6. ग्रहण करने की शक्ति, 7. सहयोग करने की भावना का निर्माण, 8. खेल भावना का विकास, 9. धैर्य व सहनशक्ति का विकास, 10. नियमों का पालन, 11. साहस, 12. निर्णय लेने की क्षमता का विकास, 13. स्वास्थ्य का विकास, 14. मानसिक व बौद्धिक विकास, 15. स्फूर्तिवान, 16. त्याग व निःस्वार्थ भावना का विकास, 17. अच्छी प्रवृतियों का निर्माण, 18. निर्माण कला।

खेलों के प्रकार :

रेस खेल :

इस खेल में टुप/कम्पनी के अधिकतर बालक–बालिकाएं शामिल होते हैं। इन खेलों में – रिले दौड़, घाटीपार, रेल दौड़, मूर्ति दौड़, असली वीर, जंगली जानवरों की दौड़, जादुई चटाई, आग लगी है पानी लाओ, विष–अमृत, राम रावण आदि खेल हैं।

क्राफ्ट खेल :

इस खेल में टोलियों के कुछ बालक ही भाग लेते हैं। इस खेल में कला एवं रचनात्मक कार्य होते हैं। इनमें– मिट्टी से विभिन्न प्रकार की आकृति एवं खिलौने, मॉडल बनाना, गेजेट्स तैयार करना, कागज की विभिन्न प्रकार की कटिंग, मुखौटा, कागज से विभिन्न प्रकार की आकृति जैसे– नाव, पर्स, गेंद, माला, चुहा, टोपी आदि। कपड़े से भी विभिन्न प्रकार की आकृति एवं अनुपयोगी सामान से उपयोगी सामग्री (कबाड़ से जुगाड़) तैयार की जाती है।

ज्ञानेन्द्रियों का खेल :

इस खेल में टुप के सभी बालक भाग लेते है। इसमें ज्ञानेन्द्रियों का परीक्षण होता है। इनमें – चखना, सूंघना, स्पर्श करना, देखना, सुनना, अनुमान लगाना, अनुमान से स्थिति तैयार करना, संदेश देना आदि प्रमुख खेल हैं।

शान्ति के खेल :

इन खेलों में हो हल्ला व जोश का अभाव होता है। इन खेलों में टुप के सभी सदस्य भाग लेते हैं। इन खेलों से एकाग्रता बढ़ती है तथा सावधान व चौकन्ना रहना होता है। नीर–तीर, पूसी बिल्ली, मैं कौन हूँ, नेता की पहचान, ऐसा करो वैसा करो, सन्त स्काउट व सरदार जी, वकील व मुजरिम, प्रश्न पूछना, गणितीय खेल आदि इस प्रकार के मुख्य खेल हैं।

हो हल्ला के खेल :

इन खेलों में टुप के सभी बालक भाग लेते हैं। इन खेलों से हो हल्ला व जोश छाया रहता है। इन खेलों में कुजड़ी बाजार, बाधाओं में संदेश पहुँचाना, और करें क्या हमें बताओ, जंगल–जंगल आग लगी है, दूर एक पहाड़, राम–राजा–रावण आदि खेल होते हैं।

घेरे का खेल :

खेल घेरे में होता है तथा कुछ टोलियों के सदस्य ही भाग लेते हैं। इन खेलों में समूह बनाना, इशारे की दौड़, जंगली दौड़, शेर–बकरी, घेरे का खो–खो, लंगड़ी कबड्डी, अन्धी भैंस अन्धा ग्वाला, भस्मासुर, नीर–तीर आदि खेल होते हैं।

गणितीय खेल :

इन खेलों के द्वारा बालक के आंकलन की क्षमता का परीक्षण होता है। इन खेलों में – नम्बर बदलना, पहाड़ा खेल, जोड़ खेल, भिन्न संख्याओं का समूह खेल, गिनती खेल आदि खेल खेले जाते हैं।

गेंद का खेल :

इन खेलों में टुप के कुछ सदस्य भाग लेते हैं। इन खेलों में गेंद गुपचना, निशाने पर गेंद फैंकना, गेंद से संतुलन बनाना, गेंद उछालना आदि प्रमुख हैं।

गाने का खेल :

इनमें टुप के अधिकतर सदस्य

भाग लेते हैं। इसमें गाने के साथ शारीरिक गतिविधियां होती है। कबिंग के जंगल नृत्य, भालू नृत्य, वीर बालक का खेल, बघेरा नृत्य, तबाकी नृत्य, खेर खां की मृत्यु का खेल, और करें क्या हमें बताओ, जंगली जानवरों की चाल, नाव चली रे आदि खेल होते हैं।

परीक्षण या टेस्ट खेल :

इन खेलों में किये गये कार्यों की जांच होती है, जिसमें सभी बालक सम्मिलित होते हैं। इनमें नोट्स (गांठे), लेसिंग, आकृति बनाना, सवाल हल करना, दिशा ज्ञान, अनुमान लगाना, समय बताना आदि खेल होते हैं।

रात्रि खेल :

यह खेल आश्चर्यचकित करने वाला खेल है, जिसमें कुछ सदस्य गुप्त योजना बनाते हैं। इन खेलों में केजवल्टी बनाना, एक्सीडेंट दृश्य, बचाव दल एवं फर्स्टएड, स्थिति पर नियंत्रण करना जैसे प्रदर्शन होते हैं।

अन्तर टोली खेल :

इन खेलों में रूमाल झपट्टा, रिले दौड़, रस्सा खेंच, संदेश देना, कबड्डी, घोड़ा कबड्डी, खो–खो, अन्त्याक्षरी, प्रश्नोत्तरी, अधूरा चित्र या कार्य पूरा करो जैसे खेल होते हैं।

खेल खिलाते समय ध्यान देने योग्य बातें :–

1. खेलों में अधिकतर या सभी बालक सम्मिलित हों।
2. जहाँ तक सम्भव हो खेल मैदान में ही करवाया जावे।
3. शोर व काम में तालमेल हो।
4. प्रत्येक वार्ता के बाद एक खेल हो।
5. प्रत्येक खेल का कोई उद्देश्य हो।
6. खेल सावधान से प्रारम्भ व सावधान से ही अन्त हो।
7. खेल में पूर्ण अनुशासन हो।
8. खेल को पूरा खेला जाये।
9. खेल पंजिका का संधारण हो।
10. ऐसा खेल न खिलाएं जो स्वयं न जानते हों।
11. खेल पूरी तैयारी के साथ खिलावें।
12. खेल लम्बा न हो।
13. अधिक जोश आने पर खेल बन्द कर देना चाहिये।
14. मौसम व परिस्थितियों को ध्यान में रखकर खेल हो।

प्रतियोगिताएं :–

उद्देश्य– बच्चों को आगे बढ़ने एवं अव्वल आने की प्रवृति को बढ़ावा प्रतियोगिताओं के माध्यम से ही मिलता है।

– माह में किये गये कार्यों की जाँच प्रतियोगिताओं के माध्यम से हो पाती है।

– प्रेरणा का संचार।

– कार्य की सफलता की अनुभूति।

विशेष– प्रतियोगिताएं अति नहीं होनी चाहिये। इससे बच्चों के मस्तिष्क पर विपरीत प्रभाव भी पड़ सकता है।

परहित

प्रस्तोता - महेन्द्र कुमार शर्मा

सर्दी का समय था। मैं घर की छत पर बैठा हुआ धूप का सेवन कर रहा था। सहसा मेरी नज़र पास के एक पेड़ पर गई। इसे देखकर मैं सोचने लगा कि कभी यह एक घना पेड़ था, किन्तु आज नहीं। ध्यान आया कि यह वृक्ष वृद्ध हो गया है।

मैं पेड़ को निहार रहा था और वह मुझे। उससे नहीं रहा गया, वह कहने लगा– ''मेरी यह स्थिति नियति का एक क्रम है। एक समय मेरा बीजारोपण हुआ, अंकुरण हुआ, पौध के रूप में पनपा, यौवन पर इतराया और अब जाने की तैयारी है। क्या तुमने अपने बारे में भी सोचा है ? आज नहीं तो कल तुम्हे भी वृद्ध होना है और मृत्यु की शरण में जाना है। जीवन में आयु घटती है, बढ़ती नहीं। मैं तो जीवित अवस्था में भी और मृत्यु के बाद भी किसी के काम आता हूँ। तुम न तो जिन्दा रहने पर ही और न ही बाद में किसी के काम आओगे।''

ये शब्द मुझे झकझोरने लगे। मैं विचार करने लगा कि पेड़ सच ही तो कह रहा है। परहित पेड़ की प्रकृति है, मेरी नहीं।

गतिविधि दर्पण

प्रदेश में विभिन्न स्तरों पर आयोजित शिविरों, गतिविधियों इत्यादि की संक्षिप्त रिपोर्ट

अजमेर मण्डल

भारत स्काउट व गाइड, स्थानीय संघ, भीलवाड़ा के तत्वावधान में सांगानेरी गेट स्थित स्काउट–गाइड स्थानीय संघ के प्रशिक्षण केंद्र पर द्वितीय, तृतीय सोपान स्काउट गाइड, चतुर्थ चरण कब बुलबुल प्रशिक्षण एवं जांच शिविर के लगभग 200 स्काउट गाइड ने शिविरावधि में स्वच्छता रैली निकालकर जनसाधारण को स्वच्छता का संदेश दिया। रैली को मुख्य अतिथि राजस्थान राज्य भारत स्काउट व गाइड के प्रदेश उपाध्यक्ष अक्षय त्रिपाठी ने हरी झंडी दिखाकर सांगानेरी गेट से रवाना किया। सहायक लीडर ट्रेनर (स्काउट) एवं

सचिव स्थानीय संघ भीलवाड़ा प्रेमशंकर जोशी के अनुसार रैली में स्काउट गाइड शिविर प्रभारी अशोक शर्मा, संगीता व्यास, शिव प्रसाद धोबी के नेतृत्व में स्वच्छता प्रोत्साहन के नारे लिखी तख्तियां हाथों में लेकर नारे लगाते हुए सांगानेरी गेट क्षेत्र के विभिन्न मार्गों से होते हुए प्रशिक्षण स्थल पहुंचे। इससे पूर्व मुख्य अतिथि श्री त्रिपाठी ने संभागियों को संबोधित करते हुए कहा कि स्काउट गाइड समाज में प्रेरणादायी सेवा कार्यों के लिए जाने जाते हैं। इन्होंने प्रशिक्षण स्थल को साफ स्वच्छ बनाकर एक आदर्श प्रस्तुत किया है। वास्तव में स्काउट गाइड बालक और इनके लीडर प्रशंसा के पात्र हैं। इस अवसर पर रामनिवास शर्मा, मधुबाला यादव, समर्थ कुमावत, हरीश कुमार, अमर ज्योति, कुसुमलता सुखवाल, सरोज शर्मा, संगीता आदि स्काउटर गाइडर उपस्थित थे।

भरतपुर मण्डल

भारत स्काउट व गाइड, जिला मुख्यालय, सवाई माधोपुर के तत्वावधान में स्काउट गाइड आवासन मंडल पर 29 से 31 मार्च तक जिला स्तरीय अनुसूचित जाति स्काउट गाइड प्रशिक्षण एवं मंडल स्तरीय अनाथालय स्काउट गाइड प्रशिक्षण शिविर आयोजित किया गया। सी.ओ. स्काउट सुरेन्द्र कुमार मेहरड़ा ने बताया कि शिविर का आयोजन संचालक रामचरण पंवार एवं लक्ष्मीनारायण वर्मा के संचालन में किया

गया। सी.ओ. गाइड दिव्या के अनुसार शिविर में 150 संभागियों ने भाग लेकर प्रशिक्षण प्राप्त किया। तीन दिवसीय शिविर में संभागियों को स्काउट गाइड प्रार्थना, नियम, प्रतिज्ञा, आंदोलन की जानकारी, गांठें बांधने व पर्यावरण चेतना की जानकारी दी गई।

बीकानेर मण्डल

भारत स्काउट व गाइड, जिला मुख्यालय, झुंझुनू के तत्वावधान में जिला स्तरीय अनुसूचित जाति व अनुसूचित जनजाति, राज्य पुरस्कार प्रशिक्षण शिविर का आयोजन 28 से 31 मार्च तक स्काउट गाइड कार्यालय में किया गया। सी. ओ. स्काउट महेश कालावत ने बताया कि शिविर के दौरान स्काउट गाइड की विभिन्न कलाओं, नियम, प्रतिज्ञा, प्रार्थना, झंडा गीत, सैल्यूट, बायां हाथ मिलाना, प्राथमिक चिकित्सा, आपदा प्रबंधन, पायनियरिंग प्रोजेक्ट, विभिन्न प्रकार के कार्यक्रमों का प्रशिक्षण स्काउट्स गाइड्स को दिया गया। सी. ओ. कालावत ने बताया कि प्रशिक्षण के उपरांत इन स्काउट गाइड के राज्य पुरस्कार अवार्ड हेतु पंजीकरण फार्म भरवाये गये। जांच शिविर में उत्तीर्ण होने पर इन स्काउट्स गाइड्स को राज्य पुरस्कार अवार्ड से नवाजा जाएगा। प्रशिक्षण शिविर में झुंझुनू जिले के विभिन्न विद्यालयों से स्काउट गाइड ने प्रशिक्षण प्राप्त किया। शिविर का प्रारंभ ध्वजारोहण के साथ किया गया। शिविर में वरिष्ठ स्काउटर रामदेव सिंह गढ़वाल,

विक्की कुमार, विजय गर्वा, शिव प्रसाद वर्मा, मूलचंद, मुरारीलाल माली, रामकिशन सैनी, नरेश सिंह तंवर, बाबूलाल गुर्जर, अमरचंद बियान सहित अनेक स्काउट गाइड द्वारा विभिन्न विधाओं का प्रशिक्षण दिया गया।

जयपुर मण्डल

◈ भारत स्काउट व गाइड, जयपुर की मण्डल स्तरीय ऑनलाइन ऑर्गेनाइजर्स संगोष्ठी जयपुर संभाग के सहायक राज्य संगठन आयुक्त स्काउट दामोदर प्रसाद शर्मा एवं सहायक राज्य संगठन आयुक्त गाइड नीता शर्मा के निर्देशन में आयोजित की गई।

संगोष्ठी के प्रारम्भ में श्रीमती नीता शर्मा ने सभी का स्वागत किया। संगोष्ठी के दौरान सत्र 2022–23 की उपलब्धियों पर चर्चा की गई एवं चालू सत्र में राज्य स्तरीय प्लानिंग कमेटी की मीटिंग में लिए गए निर्णय पर विस्तार से दामोदर प्रसाद शर्मा ने प्रकाश डाला। अभी से प्रयास कर स्काउट गाइड गतिविधियों में और अधिक सक्रियता लाने के लिए सभी ऑर्गेनाइजर्स को प्रयास करने के लिए निर्देशित किया। आगामी माह मई–जून में होने वाली गतिविधियों की आवश्यक जानकारी दी गई।

प्रेसिडेंट अवॉर्ड स्काउट गाइड रोवर रेंजर के शिविरों के बारे में विस्तार से चर्चा की तथा इसके अतिरिक्त एडवेंचर शिविरों

में सहभागिता, दार्जिलिंग में आयोज्य स्काउटर गाइडर रोवर रेंजर साहसिक हाइक बाबत जानकारी दी। पक्षियों के लिए परिंडा अभियान, जलसेवा, कौशल विकास शिविर की रूपरेखा तैयार की। मीटिंग में बसंत कुमार लाटा सी.ओ. स्काउट सीकर, कल्पना शर्मा सी.ओ. गाइड अलवर, इंदु तंवर सी.ओ. गाइड दौसा, शरद शर्मा सी.ओ. स्काउट जयपुर, ऋतु शर्मा सी.ओ. गाइड जयपुर, प्रियंका कुमारी सी.ओ. गाइड सीकर, प्रदीप सिंह सी.ओ. स्काउट दौसा ने भाग लिया।

◈ भारत स्काउट गाइड एवं नेशनल ग्रीन कोर, जिला मुख्यालय, सीकर के तत्वावधान में 21 मार्च को पूरे जिले भर में विश्व वानिकी दिवस मनाया गया, जिसके तहत जिला मुख्यालय सीकर पर इको क्लब सदस्य एवं रोवर्स द्वारा पौधों की निराई

गुड़ाई, पक्षियों के लिए परिंडों की सफाई, खाद बनाने के लिए खड्डा खोद कर पत्तियों से खाद बनाना व प्रदर्शनी अवलोकन का कार्य किया गया। इसके साथ पशुओं की खेलियों की सफाई, उनमें पानी भरने का कार्य किया गया।

इसके साथ साथ जिला सीकर क्षेत्र में विभिन्न स्थानों पर पोस्टर व निबंध प्रतियोगिता, वृक्षारोपण, परिंडा अभियान, भाषण प्रतियोगिता, संगोष्ठी सहित अनेक कार्यक्रम आयोजित किए गए।

प्रवेशिका संस्कृत विद्यालय मऊ में स्काउट मास्टर हेमराज के नेतृत्व में स्काउट व छात्र द्वारा विश्व वानिकी दिवस पर रंगोली सहित अनेक प्रतियोगिताओं का आयोजन किया गया।

श्री ऋषिकुल विद्यापीठ संस्थान में विश्व वानिकी दिवस के उपलक्ष में स्काउट विद्यार्थियों ने जंबूरी में पर्यावरण के संबंध में सीखी हुई बातें अन्य विद्यार्थियों के साथ साझा की। संस्था प्रधान डॉ. रेखा शर्मा ने 2023 की थीम ''फॉरेस्ट एंड हेल्थ'' विषय पर अपना उद्‌बोधन प्रस्तुत किया। विश्व वानिकी दिवस पर प्रोजेक्टर पर वनों की सुरक्षा के संबंध में एक डॉक्यूमेंट्री फिल्म भी दिखाई गई। कार्यक्रम का संचालन स्काउट मास्टर कुलदीप ने किया।

राजकीय सावित्री बालिका की गाइड्स और इको क्लब सदस्य छात्राओं ने इको क्लब प्रभारी श्रीमती इंदु शर्मा के नेतृत्व में पर्यावरण संरक्षण का संदेश देते हुए सार्वजनिक स्थानों पर नारे लगाते हुए रैली निकाली। साथ ही निबंध प्रतियोगिता और पोस्टर प्रतियोगिता में भी भाग लिया। प्रथम,

द्वितीय स्थान प्राप्त छात्राओं को प्राचार्या श्रीमती सुशीला द्वारा पुरस्कृत किया गया। इको क्लब प्रभारी एवं गाइड कैप्टन प्रभारी श्रीमती इंदु शर्मा और श्रीमती सुशीला ने पर्यावरण संरक्षण पर प्रभावशाली वार्ता प्रस्तुत कर छात्राओं को पर्यावरण को स्वच्छ बनाने का संदेश दिया वन ही जीवन है, हम सबका एक ही नारा पर्यावरण हो स्वच्छ हमारा जैसे नारे के साथ कार्यक्रम का समापन किया गया।

राजकीय उच्च माध्य विद्यालय चैनपुरा स्थानीय संघ दातां में पूजा कुमारी गाइड कैप्टन के नेतृत्व में पोस्टर प्रतियोगिता का आयोजन किया गया, जिसमें एक से बढ़कर एक पोस्टर बनाए। अलीताब धोबी इको क्लब प्रभारी एवं स्काउट मास्टर के मार्गदर्शन में आदर्श स्कूल कोलड़ा के स्काउट व इको क्लब सदस्यों ने स्वच्छता कार्यक्रम, पौधों की देखभाल, पक्षियों के परिंडों की देखभाल, नारा लेखन सहित अनेक कार्यक्रम आयोजित किए।

भारत स्काउट व गाइड, जिला मुख्यालय, सीकर पर जिला स्तरीय सीडी सेमिनार का आयोजन किया गया, जिसमें बसंत कुमार लाटा सी.ओ. स्काउट सीकर, प्रियंका कुमारी सी.ओ.

गाइड जिला सीकर के नेतृत्व में जिले के 43 स्काउट मास्टर, रोवर लीडर, रेंजर लीडर, रोवर व रेंजर ने भाग लिया। सेमिनार के दौरान बसंत कुमार लाटा, प्रियंका कुमारी, महेंद्र कुमार पारीक, मोहनलाल सुखाड़िया, देवेश कुमार लाटा ने स्काउट रोवर रेंजर को सामुदायिक सेवा प्रोजेक्ट, सामुदायिक विकास कार्यक्रम, समाज सेवा, ग्रीष्मकालीन सेवा शिविरों, जल सेवा, पक्षी जल सेवा, वृक्ष जलसेवा, मनुष्य जलसेवा, पशु जल सेवा, प्रधानमंत्री शील्ड प्रतियोगिता, लक्ष्मी मजूमदार अवार्ड, उपराष्ट्रपति अवार्ड प्रतियोगिता, ऊर्जा संरक्षण, जल संरक्षण, पर्यावरण संरक्षण, वृक्ष लगाकर हरीतिमा बढ़ाना, नशा मुक्ति, सड़क सुरक्षा, कुष्ठ रोग नियंत्रण, सामाजिक कुरीतियों का उन्मूलन, स्वच्छ जल अभियान, साक्षरता, अस्पताल सेवा सहित अनेक कार्यक्रमों के बारे में जानकारियां संभागियों को प्रदान की गई, प्रधानमंत्री व उप राष्ट्रपति अवार्ड पर कार्य करने के बारे में भी लॉग बुक दिखाकर समझाया गया।

सेमिनार में राजकीय विज्ञान महाविद्यालय सबलपुरा, डॉ कलाम ओपन रोवर कू पचार, वेदांता गर्ल्स कॉलेज रींगस, मरुधर ओपन रोवर क्रू, श्री कल्याण राजकीय उच्च माध्यमिक विद्यालय सीकर, आदर्श स्कूल कोलीडा, राजकीय कला महाविद्यालय कटराथल, डॉक्टर एनी बेसेंट ओपन रेंजर टीम शिवसिंहपुरा, डॉ एपीजे अब्दुल कलाम ओपन ट्रूप के रोवर, रेंजर, स्काउट ने भाग लिया।

जोधपुर मण्डल

भारत स्काउट व गाइड, जिला मुख्यालय, जालोर के तत्वावधान में जिला स्तरीय अनुसूचित जाति अनुसूचित जनजाति स्काउट गाइड प्रशिक्षण शिविर आयोजित किया गया। शिविर का समारोह पूर्वक समापन हुआ जिसके मुख्य अतिथि जिला प्रमुख जालोर श्री राजेश कुमार राणा थे। इस अवसर पर जिला प्रमुख महोदय ने स्काउट गाइड मुख्यालय

पर एक हॉल निर्माण हेतु प्रस्ताव भिजवाने के निर्देश दिए। सी. ओ. स्काउट एम.आर. वर्मा ने शिविर का प्रतिवेदन प्रस्तुत कर जिले में आयोजित हो रही स्काउट गाइड गतिविधियों से अवगत कराया। शिविर में 150 स्काउट गाइड सम्मिलित हुए। शिविरावधि में स्काउट गाइड ने पर्यावरण जन चेतना एवं जल सरंक्षण जागरूकता रैली निकाल कर लोगों को पर्यावरण और जल संरक्षण के लिए जागरूक किया।

कोटा मण्डल

भारत स्काउट व गाइड, जिला कोटा के तत्वावधान में जिला स्तरीय अनुसूचित जाति व जनजाति स्काउट गाइड प्रशिक्षण शिविर, मंडल स्तरीय अनाथालय स्काउट गाइड प्रशिक्षण शिविर, मंडल स्तरीय निशक्तजन प्रशिक्षण शिविर के शिविर के द्वितीय दिवस सहायक राज्य संगठन आयुक्त दिलीप कुमार माथुर ने ध्वजारोहण कर शुभारंभ किया। स्काउट गाइड को एडवेंचर, पायनियरिंग प्रोजेक्ट, समाज सेवा के आधारभूत सिद्धांत, सामुदायिक सेवा आदि के बारे में विस्तार से जानकारी प्रदान की गई। तृतीय दिवस समाजसेवी अमित नागर ने ध्वजारोहण कर शुभारंभ किया। जिला संगठन आयुक्त प्रदीप चित्तौड़ा ने बताया कि शिविर में सभी स्काउट

गाइड को संस्कारवान बनने के लिए माता पिता के चरण स्पर्श करने, अपने अपने धर्म का सम्मान करने, सही राह पर चलकर परिवार, समाज व अपने माता–पिता का नाम रोशन करने की प्रेरणा दी। इस अवसर पर सर्वधर्म प्रार्थना सभा का भी आयोजन किया गया, जिसमें सहायक राज्य संगठन आयुक्त दिलीप कुमार माथुर ने सभी धर्मों में मानव सेवा की बात को कहते हुए स्काउट गाइड को संस्कारवान बनने की प्रेरणा दी। प्रार्थना सभा के उपरांत स्काउट गाइड ने प्रतिज्ञा ली की हमेशा समाज सेवा एवं देश सेवा में अग्रणी भूमिका निभाएंगे। समापन समारोह के अवसर पर स्काउट गाइड को स्काउट संगठन के बारे में विस्तार से जानकारी प्रदान की गई। संचालक रूपचंद शर्मा, मोर मुकुट सिंह हाड़ा, जिला संगठन आयुक्त गाइड कृतिका पाराशर द्वारा स्काउट गाइड को गुणात्मक प्रगति के बारे में जानकारी दी गई। शिविर में स्वदेश सिंह, मोहित शर्मा, विजय शर्मा, सोनाली गुर्जर, अलका सोनी, गिरीशा ने महत्वपूर्ण सहयोग प्रदान कर स्काउट गाइड को शारीरिक एवं मानसिक दृष्टि से मजबूत बनाने के लिए किम के गेम, बहादुरी के गेम, मोगली की कहानी पर आधारित खेल खिलाए।

उदयपुर मण्डल

◈ भारत स्काउट व गाइड, जिला मुख्यालय, प्रतापगढ़ के तत्ववाधान में दिनांक 09 से 13 मार्च 2023 तक आयोजित जिला स्तरीय प्रकृति अध्ययन शिविर के तहत रोवर रेंजर ने गोतमेश्वर महादेव अरनोद में प्रकृति का अध्ययन किया। सी. ओ. स्काउट भाविक सुथार के अनुसार प्रकृति अध्ययन शिविर में एपीसी महाविद्यालय के रोवर रेजर ने गोतमेश्वर महादेव

का भ्रमण किया एवं श्रमदान किया तथा प्रकृति संबंधी गतिविधियां, जागरूकता एवं प्लास्टिक रोकथाम संबंधित गतिविधियों का आयोजन किया गया। सी.ओ गाइड रेखा शर्मा ने बताया कि वार्षिक कार्यक्रमानुसार प्रकृति अध्ययन शिविर के आयोजन से रोवर रेंजर की क्षमताओं, परस्पर सहयोग, सेवा भाव, शिविर जीवन, तकनीकी ज्ञान, प्रदर्शन, साहसिक गतिविधियों एवं प्रतियोगिता की भावना को विकसित करने के उद्देश्य से जिला स्तरीय प्रकृति अध्ययन शिविर का आयोजन किया गया है। शिविर में स्काउट गाइड को विभिन्न प्रतियोगिताओं में भाग लेकर पुरस्कार प्राप्त करने एवं प्रकृति से संबंधित गतिविधियों का अवलोकन करने का अवसर प्राप्त हुआ। भ्रमण में सचिव स्थानीय संघ अरनोद रमेशचन्द्र मीणा, स्काउटर संजय कुमार मेहता, गाइडर सोनिया नाई, रेंजर लीडर लक्ष्मी चौधरी, रेंजर मनीषा, खुशबु रोवर अजय, राजवीर, सुनील, लिपिक लोकेन्द्र कुमार माली आदि उपस्थित थे।

◈ भारत स्काउट व गाइड, जिला मुख्यालय, प्रतापगढ़ के तत्वावधान में 11 से 17 मार्च 2023 तक जनजाति भवन, न्यू रोड़वेज बस स्टेण्ड, प्रतापगढ़ पर कब/स्काउट मास्टर बेसिक कोर्स एवं फ्लॉक/गाइड कैप्टिन बेसिक कोर्स का आयोजन किया गया। चतुर्थ दिवस पर आयोजित कार्यक्रम में मुख्य अतिथि अतिरिक्त जिला कलक्टर राजेश कुमार नायक ने स्काउटर गाइडर को सम्बोधित करते हुए कहा की स्काउट गाइड पीड़ितों की सेवा करने के लिए हमेशा तत्पर रहते हैं, उन्होंने कई बार स्काउट गाइड को अकाल, बाढ़, तूफान के समय हुई त्रासदी के समय अग्रिम पंक्ति में पीड़ितों की सेवा करते हुए देखा है। श्री नायक ने स्काउट गाइड के अनुशासन

की सराहना की एवं कहा कि अनुशासन से ही व्यक्ति आगे बढ़ता हैं, उन्होने अपने उद्बोधन में कहा कि स्काउट गाइड संगठन ऐसी अनेक गतिविधियां आयोजित करता है, जिससे स्काउट गाइड बालक–बालिकाओं का सर्वांगीण विकास होता है एवं एक टोली में एक साथ 8 बच्चों के रहने एवं एक साथ काम करने से परस्पर सहयोग की भावना एवं एकता का विकास होता है।

कार्यक्रम में 18वीं राष्ट्रीय जम्बूरी, रोहट पाली में जिला दल का नेतृत्व करने वाले सीबीईओ विक्रम कोठारी ने राष्ट्रीय

जम्बूरी की सम्पूर्ण जानकारी प्रदान की। इस अवसर पर जम्बूरी में भाग लेने वाले यूनिट लीडर जिला दल रोवर रेजर को स्मृति चिह्न एवं प्रमाण पत्र प्रदान किये। जम्बूरी में सहभागिता करने वाले यूनिट लीडर में जिला दल नेता विक्रम कोठारी, उप दल नेता नरेन्द्र सिह सिसोदिया, कार्यक्रम प्रभारी कमलेश कुमार नागर, हीरालाल मालवीय, संजय कुमार मेहता, कारूलाल कीर, लोकेन्द्र कुमार माली, सुश्री एश्वर्या राठौर, स्काउटर रमेशचन्द्र मीणा, भीमराज मीणा, रमेशचन्द्र मीणा शम्भूलाल रैदास, गणेशलाल मीणा, रमेशचन्द्र मीणा, मुकेश कुमार, गाइडर सोनिया नाई, फहीन खान, रोवर अजय मेघवाल, रविराज सिंह सिसोदिया, हेमन्त माली, रेंजर लक्ष्मी चौधरी, चन्दा भोई, निर्मला भोई आदि को सम्मानित किया।

सी.ओ. रेखा शर्मा ने बताया कि नेशनल ग्रीन कोर योजना के तहत आयोजित गतिविधि में पर्यावरण सम्बन्धित कार्यों में वर्ष भर किये गये कार्यों का रिकोर्ड संधारण कर जिले में पहली बार राजकीय उच्च प्राथमिक विद्यालय नौगावा ने राष्ट्रीय स्तर पर आयोजित प्रधानमंत्री शील्ड में भाग लेकर राज्य में दूसरा स्थान प्राप्त किया। उक्त कार्य में यूनिट लीडर रमेशचन्द्र मीणा एवं पेट्रोल लीडर गोपाललाल मीणा को प्रधानमत्री शील्ड प्रमाण पत्र एवं बैज प्रदान किया गया है।

कार्यक्रम में रंगारग कार्यक्रम की प्रस्तुति प्रशिक्षण प्राप्त कर रहे संभागियों द्वारा दी गई। कार्यक्रम में शिविर संचालक सुभाषचन्द्र, छतरसिंह, संतोष निर्वाण, विक्रम कोठारी, सी.ओ. भाविक सुथार ने विचार व्यक्त किये। अंजना शर्मा ने आभार तथा कार्यक्रम का संचालन कमलेश कुमार नागर ने किया।

◈ भारत स्काउट व गाइड, जिला मुख्यालय, उदयपुर द्वारा ब्लॉक फलासिया में 28 मार्च को बिगिनर्स गाइड कार्यशाला आयोजित की गई। मुख्य ब्लॉक शिक्षा अधिकारी फलासिया

के तत्वावधान में ब्लॉक फलासिया के 203 विद्यालयों से एक–एक महिला शिक्षिकाओं ने उक्त कार्यशाला में भाग लिया। कार्यशाला में भारत स्काउट व गाइड की गतिविधियों के बारे में मुख्य वक्ता जिला संगठन आयुक्त गाइड श्रीमती विजय लक्ष्मी रोहिला द्वारा विस्तार से प्रकाश डाला व सभी महिला शिक्षिकाओं को प्रोत्साहित करते हुए महिला सशक्तीकरण हेतु प्रेरित किया गया।

कार्यक्रम में डॉ.बाल गोपाल शर्मा, अतिरिक्त मुख्य ब्लॉक शिक्षा अधिकारी फलासिया ने मुख्य अतिथि व भारत स्काउट गाइड के श्याम जी का पगड़ी व उपरने द्वारा स्वागत किया गया। साथ ही टीम फलासिया की सभी महिला शिक्षिकाओं को गाइड गतिविधियों में सक्रिय रूप से भाग लेने हेतु व ब्लॉक में स्काउट गाइड की गतिविधियों में विस्तार हेतु सभी का आह्वान किया। कार्यक्रम की अध्यक्षता लालूराम गरासिया द्वारा व संचालन सचिव किशनलाल भगोरा द्वारा किया गया। आभार प्रेमचंद गमार द्वारा प्रकट किया गया। कार्यक्रम में भेरूंलाल कुम्हार, केशुलाल प्रजापत आदि उपस्थित रहे।

राज्य कार्यकारिणी समिति

पृष्ठ सं. 5 का शेष

श्री विमल चौहान, सहायक स्टेट कमिश्नर (स्काउट) ने सुझाव दिया कि जम्बूरी का भव्य आयोजन कराने में पूर्ण सहयोग प्रदान करने के लिए माननीय मुख्यमंत्री महोदय का राज्य कार्यकारिणी की ओर से आभार व्यक्त किया जावे तथा 2 अतिरिक्त आवासीय विद्यालय खोले जावें। राज्य संगठन आयुक्त (स्काउट) ने सुझाव दिया कि राष्ट्रपति स्काउट गाइड को राजस्थान राज्य पथ परिवहन निगम की बसों में निःशुल्क यात्रा तथा एक और आवासीय विद्यालय की बजट घोषणा हेतु माननीय मुख्य मंत्री महोदय को आभार व्यक्त किया जावे। स्टेट कमिश्नर (स्काउट) श्री गौरव अग्रवाल जो कि वेबीनार के माध्यम से सहभागिता कर रहे थे, उन्होंने जम्बूरी के सफल आयोजन हेतु सभी को धन्यवाद ज्ञापित किया तथा अवगत कराया कि बजट घोषणा के अनुसार सभी विद्यालयों में स्काउट गाइड गतिविधि का आयोजन व सर्वोच्च स्थान के लिए शिक्षा विभाग का सहयोग मिलता रहेगा।

अध्यक्षीय उद्‌बोधन में स्टेट चीफ कमिश्नर श्री निरंजन आर्य ने राजस्थान में 18वीं राष्ट्रीय स्काउट गाइड जम्बूरी के सफलतापूर्वक एवं वृहद आयोजन के लिए सभी का आभार व्यक्त करते हुए आशा व्यक्त की कि भविष्य में भी प्रदेश संगठन इसी प्रकार उत्तरोत्तर प्रगति करते हुए राष्ट्रीय स्तर पर अपनी पहचान बनाये रखेगा।

अन्त में राज्य प्रशिक्षण आयुक्त (स्काउट) श्री बन्ना लाल ने सभी सम्मानित सदस्यों का धन्यवाद ज्ञापित किया। राष्ट्रगान के साथ सभा की कार्यवाही समाप्त की गई।

अनुशासन की महत्ता

अनुशासन मानव-जीवन का आवश्यक अंग है। मनुष्य को जीवन के प्रत्येक क्षेत्र में चाहे वह खेल का मैदान हो अथवा विद्यालय, घर हो अथवा घर से बाहर कोई सभा-सोसायटी, सभी जगह अनुशासन के नियमों का पालन करना पड़ता है। जीवन के प्रत्येक क्षेत्र में अनुशासन का महत्व है। अनुशासन से धैर्य और समझदारी का विकास होता है। समय पर सही निर्णय लेने की क्षमता बढ़ती है।

मनुष्य एक सामाजिक प्राणी है और समाज की सहायता के बिना मानव जीवन का अस्तित्व असम्भव है। सामाजिक जीवन को सुख संपन्न बनाने के लिए कुछ नियमों का पालन करना पड़ता है। इन नियमों को हम सामाजिक जीवन के नियम कहते हैं। इनके अंतर्गत मनुष्य व्यक्तिगत एवं सामूहिक रूप से नियमित रहता है तो उसके जीवन को अनुशासित जीवन कहते हैं। हमारे जीवन मे 'अनुशासन' एक ऐसा गुण है, जिसकी आवश्यकता मानव जीवन में पग–पग पर पड़ती है। अनुशासन ही मनुष्य को एक अच्छा व्यक्ति व एक आदर्श नागरिक बनाता है। बालक–बालिकाओं को अनुशासन की शिक्षा प्रदान करना स्काउटिंग–गाइडिंग द्वारा प्रदान किये जाने वाले प्रशिक्षण का एक अहम हिस्सा है।

'अनुशासन सफलता की कुंजी है'– यह किसी ने सही कहा है। अनुशासन मनुष्य के विकास के लिए बहुत आवश्यक है। यदि मनुष्य अनुशासन में जीवन–यापन करता है, तो वह स्वयं के लिए सुखद और उज्जवल भविष्य की राह निर्धारित करता है। अनुशासन मानव–जीवन का आवश्यक अंग है। मनुष्य को जीवन के प्रत्येक क्षेत्र में चाहे वह खेल का मैदान हो अथवा विद्यालय, घर हो अथवा घर से बाहर कोई सभा–सोसायटी, सभी जगह अनुशासन के नियमों का पालन करना पड़ता है। जीवन के प्रत्येक क्षेत्र में अनुशासन का महत्व है। अनुशासन से धैर्य और समझदारी का विकास होता है। समय पर सही निर्णय लेने की क्षमता बढ़ती है।

परिवार अनुशासन की आरंभिक पाठशाला है। अनुशासन का पाठ बचपन से परिवार में रहकर सीखा जाता है। बचपन में अनुशासन सिखाने की जिम्मेदारी माता–पिता तथा गुरूओं की होती है। एक सुशिक्षित और शुद्ध आचरण वाले परिवार का बालक स्वयं ही नेक चाल–चलन और अच्छे आचरण वाला बन जाता है। माता–पिता की आज्ञा का पालन उसे अनुशासन का प्रथम पाठ पढ़ाता है। परिवार के उपरांत अनुशासित जीवन की शिक्षा देने वाला दूसरा स्थान विद्यालय है। शुद्ध आचरण वाले सुयोग्य गुरुओं के शिष्य अनुशासित आचरण वाले होते हैं। ऐसे विद्यालय में बालक के शरीर, आत्मा और मस्तिष्क का संतुलित रूप से विकास होता है।

विद्यार्थी समाज की एक नव–प्रस्फुटित कली है। इन कलियों के अंदर यदि किसी कारणवश कमी आ जाती है तो कलियाँ मुरझा ही जाती हैं, साथ–साथ उपवन की छटा भी समाप्त हो जाती है। यदि किसी देश का विद्यार्थी अनुशासनहीनता का शिकार बनकर अशुद्ध आचरण करने वाला बन जाता है तो यह समाज किसी न किसी दिन आभाहीन व दिशाहीन हो जाता है। विद्यार्थी हमारे देश की युवा–शक्ति तथा मुख्य आधार स्तंभ है। यदि इनमें अनुशासन की कमी होगी, तो हम सोच सकते हैं कि देश का भविष्य कैसा होगा। विद्यार्थी के लिए अनुशासन में रहना और अपने सभी कार्यों को व्यवस्थित रूप से करना बहुत आवश्यक है।

विद्यार्थी को चाहिए कि विद्यालय में रहकर विद्यालय के बनाए सभी नियमों का पालन करें। अध्यापकों द्वारा पढ़ाए जा रहे सभी पाठों को अध्ययन पूरे मन से करना चाहिए क्योंकि विद्यालय का जीवन व्यतीत करने के उपरांत जब छात्र सामाजिक जीवन में प्रवेश करता है तो उसे कदम–कदम पर अनुशासित व्यवहार की आवश्यकता होती है। यदि विद्यर्थियों में अनुशासन नहीं होगा तो समाज की दशा बिगड़ेगी और यदि समाज की दशा बिगड़ेगी तो देश कैसे उससे अछुता रहेगा। अनुशासनहीन व्यक्ति केवल अपने लिए ही नहीं, समस्त देश व समाज के लिए घातक सिद्ध होता है। अनुशासित विद्यार्थी अनुशासित नागरिक बनते हैं एवं अनुशासित नागरिक एक अनुशासित समाज का निर्माण करते हैं। स्काउटिंग में दी जा रही शिक्षा से देश की युवा पीढ़ी समाजोपयोगी व समाजोत्थान के कार्यों में अपना योगदान देने के लिए बतौर सशक्त प्रहरी तैयार रहते हैं। इन्हें अपने दायित्वों व कर्तव्यों का बोध भली भांति होता है।

शेष पृष्ठ सं. 27 पर

हमारे महापुरुष

डॉ. बी.आर. अम्बेडकर

महिला उत्थान के प्रबल चिन्तक एवं समर्थक

डॉ. भीमराव अम्बेडकर दलित, पिछड़ों एवं महिलाओं की उन्नति के प्रबल पक्षधर थे। जहाँ–तहाँ हमें दलितों और पिछड़ों के उत्थान के लिए डॉ. अम्बेडकर द्वारा किये गये कार्यों का उल्लेख पढ़ने को मिल जाता है, परन्तु यहाँ हम उनके द्वारा महिलाओं की उन्नति के लिए किये गये कार्यों का उल्लेख कर रहे हैं।

डॉ. अम्बेडकर के व्यक्तित्व पर गौतम बुद्ध की शिक्षाओं तथा महात्मा ज्योतिराव फुले के सामाजिक कार्यों का बहुत गहरा प्रभाव था। बुद्ध ने समानता का उपदेश दिया और उसका पालन किया। बुद्ध धर्म मानव इतिहास में ऐसा प्रथम धर्म था जिसने महिलाओं को धर्म दीक्षा का अधिकार दिया। स्त्री–पुरूष समानता का उपदेश दिया। महात्मा फुले ने 19वीं शताब्दी में महिलाओं की शिक्षा के लिए एतिहासिक कार्य किया था। फुले ने अपनी पत्नी सावित्री बाई फुले के साथ मिलकर अनेक कठिनाईयों के बावजूद महिलाओं के शिक्षित करने के लिए महिला विद्यालय स्थापित किये और महिलाओं के बीच शिक्षा का प्रचार प्रसार किया। डॉ. अम्बेडकर महात्मा फुले को अपना गुरू मानते थे।

डॉ. अम्बेडकर का मानना था कि किसी भी समाज का मूल्यांकन इस बात से किया जाता है कि उस समाज में महिलाओं की क्या स्थिति है? कालांतर में महिलाओं की स्थिति दयनीय होती गई और उनके लिए शिक्षा के द्वार लगभग बंद कर दिए गए। संविधान प्रारूप समिति का अध्यक्ष डॉ. अम्बेडकर को चुना गया था। हमारे संविधान निर्माताओं ने जिसमे डॉ. अम्बेडकर की अहम् भूमिका थी, सभी नागरिकों को बराबर का हक दिया है। आजाद भारत के पहले कानून मंत्री के रूप में डॉ. अम्बेडकर ने महिला सशक्तीकरण के लिए कई कदम उठाए। महिलाओं को और अधिक अधिकार देने तथा उन्हें सशक्त बनाने के लिए सन् 1951 में उन्होंने 'हिंदू कोड बिल' संसद में पेश किया। डॉ. अम्बेडकर का मानना था कि सही मायने में प्रजातंत्र तब आयेगा जब महिलाओं को पैतृक संपत्ति में बराबरी का हिस्सा मिलेगा और उन्हें पुरूषों के समान अधिकार दिए जाएंगे। डॉ. अम्बेडकर का दृढ–विश्वास था कि महिलाओं की उन्नति तभी संभव होगी जब उन्हें घर परिवार और समाज में सामाजिक बराबरी का दर्जा मिलेगा। शिक्षा और आर्थिक उन्नति उन्हें सामाजिक बराबरी दिलाने में मदद करेगी।

अखिल भारतीय दलित वर्ग महिला सम्मेलन के दूसरे सत्र में बाबासाहेब ने कहा था कि महिलाओं के संगठन में मेरा अत्यधिक विश्वास है। मैं जानता हूँ कि यदि वे आश्वस्त हो जाएं तो समाज को सुधारने के लिए क्या नहीं कर सकती हैं? बाबा साहेब अम्बेडकर प्रायः कहा करते थे कि मैं 'हिन्दू कोड' बिल पास कराकर भारत की समस्त नारी जाति का कल्याण करना चाहता हूं। 'हिन्दू कोड' की प्रबल विशेषता यह भी थी कि किन्हीं भी दो हिन्दू वर–वधुओं का विवाह चाहे उनका परस्पर वर्ण भेद या जाति भेद कैसा व कितना भी क्यों न हो वैध माना जाता है और उनसे उत्पन्न सन्तान पैतृक सम्पत्ति में वैध अधिकारी बन जाती है। जबकि इस कानून से पहले समय में शताब्दियों से प्रचलित परस्पर विरोधी वर्णों, जातियों उपजातियों में हुए विवाह में से उत्पन्न सन्तान पैतृक सम्पत्ति में अंश या हिस्सा प्राप्त करने के लिए वैध या जायज सन्तान नहीं मानी जाती थी। सदियों से प्रचलित रूढ़ियों के अनुसार दत्तक या गोद लेने की प्रथा केवल सजातीय या दोहता को ही सुविधा देती थी किन्तु हिन्दू कोड न केवल किसी भी हिन्दू बालक को दत्तक या गोद लेने का अधिकार दिलवाता था बल्कि किसी कन्या को भी गोद लिया जा सकता है और वह गोद लेने वाले माता पिता की सम्पत्ति में अधिकार प्राप्त करती है।

कुछ कारणों की वजह से हिन्दू कोड बिल उस समय संसद में पारित नहीं हो सका, लेकिन बाद में हिन्दू कोड बिल अलग अलग भागों में जैसे हिन्दू विवाह कानून, हिन्दू उत्तराधिकार कानून और हिन्दू गुजारा एवं गोद लेने संबंधी कानून के रूप में अलग–अलग नामों से पारित हुआ, जिसमें महिलाओं को पुरूषों के बराबर अधिकार दिए गए। ये हर भारतीय के लिए गौरव की बात है कि अब संयुक्त हिन्दू परिवार में पुत्री को भी पुत्र के समान बराबर का भागीदार माना जाता है। इस बात से कोई फर्क नहीं पड़ता कि पुत्री विवाहित है या अविवाहित। हर लड़की को लड़के के ही समान सारे अधिकार प्राप्त हैं। संयुक्त परिवार की संपत्ति का विभाजन होने पर पुत्री को भी पुत्र के समान बराबर का हिस्सा मिलेगा चाहे वो कहीं भी हो। इस तरह महिलाओं को आर्थिक रूप से आत्मनिर्भर बनाने में डॉ. अम्बेडकर ने बहुत सराहनीय काम किया। आज जब महिलाओं के उत्थान की बात की जा रही है, महिला सशक्तीकरण पर डॉ. अम्बेडकर के विचार और भी प्रासंगिक हो जाते हैं।

इस महापुरूष का जन्म 14 अप्रेल, 1891 को मऊ प्रान्त में हुआ तथा 6 दिसम्बर, 1956 को दिल्ली स्थित निवास पर इनका निधन हुआ। 7 दिसम्बर को चौपाटी समुद्र तट पर बौद्ध शैली में अंतिम संस्कार किया गया, जिसमें सैकड़ों हजारों समर्थकों, कार्यकर्त्ताओं व प्रशंसकों ने भाग लेकर श्रद्धांजलि दी। डॉ. अम्बेडकर को मृत्युपरान्त 1990 में भारत रत्न से नवाज़ा गया, जो भारत का सर्वोच्च नागरिक सम्मान है।

अलसी के असरकारी नुस्खे

संकलनकर्त्ता - डॉ. पी.सी. जैन

अलसी में कई सारे असरकारी गुण हैं, लेकिन लोगों को इसके बारे में बहुत कम पता होता है। अलसी का रोज सेवन करने से आप कई रोगों से छुटकारा पा सकते हैं। अलसी में ओमेगा–3 पाया जाता है। यह हमें कई रोगों से लड़ने की शक्ति देता है। ओमेगा–3 हमारे शरीर के अन्दर नहीं बनता है, इसे भोजन द्वारा ही ग्रहण किया जा सकता है। शाकाहारियों के लिए अलसी से अच्छा इसका कोई और स्त्रोत नहीं है। माँसाहारियों को तो यह मछली से मिल जाता है। अगर आप स्वयं को निरोग और चुस्त–दुरूस्त रखना चाहते हैं तो रोज कम से कम एक दो चम्मच अलसी को अपनी आहार में शामिल करें।

अलसी के फायदे

- अलसी शरीर को ऊर्जा व स्फूर्ति प्रदान करता है।
- कैंसररोधी हार्मोंस की सक्रियता बढ़ाता है।
- रक्त में शर्करा तथा कोलेस्ट्रॉल की मात्रा को कम करता है।
- जोड़ों के दर्द में राहत दिलाता है।
- पेट साफ रखने का घरेलू व आसान नुस्खा है।
- हृदय संबंधी रोगों के खतरे को कम करता है।
- हाई ब्लड प्रेशर को कंट्रोल करता है।
- त्वचा को स्वस्थ रखता है एवं सूखापन दूर कर एग्जिमा आदि से बचाता है।
- यह शरीर में अच्छे कोलेस्ट्रोल को बढ़ाती है और खराब कोलेस्ट्रोल को कम करती है।
- इसका नियमित सेवन रजोनिवृत्ति संबंधी परेशानियों से राहत प्रदान करता है। मासिक धर्म के दौरान ऐंठन को कम कर गर्भाशय को स्वस्थ रखता है।
- यकृत को स्वस्थ रखता है।

बिमारी के अनुसार अलसी का सेवन

- खांसी होने पर अलसी की चाय पीना स्वास्थ्यकर रहता है। पानी को उबालकर उसमें अलसी पाउडर मिलाकर चाय तैयार करें। इसका सेवन दिन में दो–तीन बार करें।
- दमा के रोगी को एक चम्मच अलसी के पाउडर को आधा गिलास पानी में 12 घंटे तक भिगोने के पश्चात उसका सुबह–शाम छानकर सेवन करना चाहिये। काफी लाभ होगा।
- डायबीटिज के मरीज को 25 ग्राम अलसी खाना चाहिए। इन्हें अलसी को पीस कर आटे में मिलाकर रोटी बनाकर खानी चाहिये।
- कैंसर रोगियों को 3 चम्मच अलसी का तेल पनीर में मिलाकर उसमें सूखे मेवे मिलाकर देने चाहिये।
- अलसी सेवन के दौरान खूब पानी पीना चाहिए। इसमें अधिक फाइबर होता है, जिससे प्यास ज्यादा लगती है।
- अगर आप स्वस्थ हैं तो भी आपको रोज सुबह–शाम एक–एक चम्मच अलसी का पाउडर पानी के साथ, सब्जी, दाल या सलाद में मिलाकर लेना चाहिये। आप स्वास्थ्य रहेंगे।

अलसी का तेल भी है गुणकारी

अलसी का तेल भी गुणों से भरपूर है। अगर त्वचा जल चाये, तो अलसी का तेल लगाने से दर्द व जलन से राहत मिलती है। इसमें विटामिन–ई होता है। इसका कुष्ठ रोगियों को सेवन करना चाहिए। त्वचा पर लाभ होगा।

मिथ्य

कुछ लोगों का मानना है कि अलसी गर्म होती है, इसलिए गर्मी के मौसम में इसका सेवन नहीं करना चाहिए। लेकिन यह मात्र एक मिथ्य है। अलसी को आप किसी भी मौसम में खा सकते हैं, यह गर्म नहीं होती है। हो सकता है कि शुरूआत में आपको पतले दस्त होने लगे लेकिन इससे घबराने की जरूरत नहीं है। बाद में अपने आप सब ठीक हो जाता है।

राज्य सचिव
राजस्थान राज्य भारत स्काउट व गाइड, जयपुर

पर्यटन स्थल

रहस्यमयी भानगढ़ किला

भानगढ़, राजस्थान के अलवर जिले में सरिस्का राष्ट्रीय उद्यान के एक छोर पर स्थित है। यहाँ का किला बहुत प्रसिद्ध है जो 'भूतहा किला' माना जाता है। इस किले को आमेर के राजा भगवंत दास ने सन् 1573 में बनवाया था। भगवंत दास के छोटे बेटे और मुगल शहंशाह अकबर के नवरत्नों में शामिल मानसिंह के भाई माधोसिंह ने बाद में इसे अपनी रिहाइश बना लिया। माधोसिंह के तीन बेटे थे– सुजाणसिंह, छत्रसिंह और तेजसिंह। माधोसिंह के बाद छत्रसिंह भानगढ़ का शासक हुआ। छत्रसिंह के बेटा अजबसिंह थे, यह भी शाही मनसबदार थे। अजबसिंह ने अपने नाम पर अजबगढ़ बसाया था। अजबसिंह के बेटा काबिलसिंह और इस के बेटा जसवंतसिंह अजबगढ़ में रहे। अजबसिंह के बेटा हरीसिंह भानगढ़ में रहे (वि. सं. 1722 माघ वदी भानगढ़ की गद्दी पर बैठे)। माधोसिंह के दो वंशज (हरीसिंह के बेटे) औरंगज़ेब के समय में मुसलमान हो गये थे। उन्हें भानगढ़ दे दिया गया था। मुगलों के कमज़ोर पड़ने पर महाराजा सवाई जयसिंह जी ने इन्हें मारकर भानगढ़ पर कब्जा कर लिया। भानगढ़ का किला चहारदीवारी से घिरा है, जिसके अंदर घुसते ही दाहिनी ओर कुछ हवेलियों के अवशेष दिखाई देते हैं। सामने बाजार है जिसमें सड़क के दोनों तरफ कतार में बनाई गई दोमंजिली दुकानों के खंडहर हैं। किले के आखिरी छोर पर दोहरे अहाते से घिरा तीन मंजिला महल है जिसकी ऊपरी मंजिल लगभग पूरी तरह ध्वस्त हो चुकी है।

पुराने किले, मौत, हादसों, अतीत और रूहों का अपना एक अलग ही सबंध और संयोग होता है। ऐसी कोई जगह जहां मौत का साया बनकर रूहें घुमती हो उन जगहों पर इंसान अपने डर पर काबू नहीं कर पाता है और एक अजीब दुनिया के सामने जिसके बारे में उसे कोई अंदाजा नहीं होता है, अपने घुटने टेक देता है। दुनिया भर में कई ऐसे पुराने किले हैं जिनका अपना एक अलग ही काला अतीत है और वहाँ आज भी रूहों का वास है। दुनिया में ऐसी जगहों के बारे में लोग जानते है, लेकिन बहुत कम ही लोग होते हैं, जो इनसे रूबरू होने की हिम्मत रखते हैं। जैसे हम दुनिया में अपने होने या ना होने की बात पर विश्वास करते हैं वैसे ही हमारे दिमाग के एक कोने में इन रूहों की दुनिया के होने का भी आभास होता है। ये दीगर बात है कि कई लोग दुनिया के सामने इसे मानने से इनकार करते हों, लेकिन अपने तर्कों से आप सिर्फ अपने दिल को तसल्ली दे सकते हैं, दुनिया की हकीकत को नहीं बदल सकते है। कुछ ऐसा ही एक किले के बारे में आपको बता रहे हैं जो कि अपने सीने में एक शानदार बनावट के साथ–साथ एक बेहतरीन अतीत भी छुपाए हुए है, जहाँ सूरज डूबते ही रूहों का कब्जा हो जाता है और शुरू हो जाता है मौत का तांडव। जयपुर के नजदीक व अलवर में स्थित इस किले को भानगढ़ के किले के नाम से जाना जाता है।

भानगढ़ किला एक शानदार अतीत के आगोश में–

भानगढ़ किला सत्रहवीं शताब्दी में बनवाया गया था। इस किले का निर्माण मान सिंह के छोटे भाई राजा माधो सिंह ने करवाया था। राजा माधो सिंह उस समय अकबर की सेना में जनरल के पद पर तैनात थे। उस समय भानगढ़ की जनसंख्या तकरीबन 10000 थी। भानगढ़ अलवर जिले में स्थित एक शानदार किला है जो कि बहुत ही विशाल आकार में तैयार किया गया है। चारों तरफ से पहाड़ों से घिरे इस किले में बेहतरीन शिल्पकलाओं का प्रयोग किया गया है। इसके अलावा इस किले में भगवान शिव, हनुमान आदि के बेहतरीन और अति प्राचीन मंदिर विद्यमान हैं। इस किले में कुल पाँच द्वार हैं और साथ–साथ एक मुख्य दीवार है। इस किले में दृण और मजबूत पत्थरों का प्रयोग किया गया है, जो अति प्राचीन काल से अपने यथास्थिती में पड़े हुये हैं।

भानगढ़ किले पर काले जादूगर सिंधिया का शाप–

भानगढ़ किला देखने में जितना शानदार है उसका अतीत उतना ही भयानक है। भानगढ़ किले के बारे में प्रसिद्ध एक कहानी के अनुसार भानगढ़ की राजकुमारी रत्नावती जो कि नाम के ही अनुरूप बेहद खूबसूरत थी, उस समय उनके रूप की चर्चा पूरे राज्य में थी और देश के अनेक राजकुमार उनसे विवाह करने

के इच्छुक थे। उस समय उनकी उम्र महज 18 वर्ष ही थी और उनका यौवन उनके रूप में और निखार ला चुका था। उस समय कई राज्यों से उनके लिए विवाह के प्रस्ताव आ रहे थे। उसी दौरान वो एक बार किले से अपनी सखियों के साथ बाजार में निकली थी। राजकुमारी रत्नावती एक इत्र की दुकान पर पहुंची और वो इत्रों को हाथों में लेकर उसकी खुशबू ले रही थी। उसी समय उस दुकान से कुछ ही दूरी पर एक सिंघिया नाम व्यक्ति खड़ा होकर उन्हें बहुत ही गौर से देख रहा था। सिंधिया उसी राज्य में रहता था और वो काले जादू का महारथी था। ऐसा बताया जाता है कि वो राजकुमारी के रूप का दिवाना था और उनसे प्रगाढ़ प्रेम करता था। वो किसी भी तरह राजकुमारी को हासिल करना चाहता था। इसलिए उसने उस दुकान के पास आकर इत्र के बोतल जिसे राजकुमारी पसंद कर रही थी, पर काला जादू कर दिया जो राजकुमारी के वशीकरण के लिए किया था। राजकुमारी रत्नावती ने उस इत्र की बोतल को उठाया और वहीं पास के एक पत्थर पर पटक दिया। पत्थर पर पटकते ही वो बोतल टूट गयी और सारा इत्र उस पत्थर पर बिखर गया। इसके बाद से ही वो पत्थर फिसलते हुए उस तांत्रिक सिंधिया के पीछे चल पड़ा और तांत्रिक को कुचल दिया, जिससे उसकी मौके पर ही मौत हो गयी। मरने से पहले तांत्रिक ने शाप दिया कि इस किले में रहने वाले सभी लोग जल्द ही मर जायेंगे और वो दोबारा जन्म नहीं ले सकेंगे और ताउम्र उनकी आत्माएं इस किले में भटकती रहेंगी। उस तांत्रिक के मौत के कुछ दिनों के बाद ही भानगढ़ और अजबगढ़ के बीच युद्ध हुआ जिसमें किले में रहने वाले सारे लोग मारे गये। यहां तक की राजकुमारी रत्नावती भी उस शाप से नहीं बच सकी और उनकी भी मौत हो गयी। एक ही किले में एक साथ इतने बड़े कत्लेआम के बाद वहां मौत की चीखें गूँज गयी और आज भी उस किले में उनकी रूहें घूमती है।

किले में सूर्यास्त के बाद प्रवेश निषेध

फिलहाल इस किले की देख रेख भारत सरकार द्वारा की जाती है। किले के चारों तरफ आर्कियोलॉजिकल सर्वे आफ इंडिया (एएसआई) की टीम मौजूद रहती है। एएसआई ने सख्त हिदायत दे रखी है कि सूर्यास्त के बाद इस इलाके में किसी भी व्यक्ति के रूकने के लिए मनाही है। इस किले में जो भी सूर्यास्त के बाद गया वो कभी भी वापस नहीं आया है। कई बार लोगों को रूहों ने परेशान किया है और कुछ लोगों को अपनी जान से हाथ भी धोना पड़ा है।

किलें में रूहों का कब्जा

इस किले में कत्लेआम किये गये लोगों की रूहें आज भी भटकती हैं। कई बार इस समस्या से रूबरू हुआ गया है। एक बार भारत सरकार ने अर्द्धसैनिक बलों की एक टुकड़ी यहाँ लगायी थी ताकि इस बात की सच्चाई को जाना जा सके, लेकिन वो भी असफल रही। कई सैनिकों ने रूहों के इस इलाके में होने की पुष्टि की थी। इस किले में आज भी जब आप अकेले होंगे तो तलवारों की टनकार और लोगों की चीख को महसूस कर सकते हैं। इसके अलावा इस किले के भीतर कमरों में महिलाओं के रोने या फिर चुड़ियों के खनकने की भी आवाजें साफ सुनी जा सकती है। किले के पिछले हिस्से में जहाँ एक छोटा सा दरवाजा है, के पास बहुत ही अंधेरा रहता है कई बार वहां किसी के बात करने या एक विशेष प्रकार के गंध को महसूस किया गया है। वहीं किले में शाम के वक्त बहुत ही सन्नाटा रहता है और अचानक ही किसी के चीखने की भयानक आवाज इस किलें में गुंज जाती है।

राजस्थान राज्य भारत स्काउट व गाइड

राज्य मुख्यालय, जयपुर

वार्षिक कार्यक्रम : सत्र 2023-24

क्र.स.	नाम गतिविधि	स्थान	तिथियाँ
अप्रेल, 2023			
1	उपराष्ट्रपति अवार्ड / प्रधानमंत्री शील्ड प्रतियोगिता पंजीकरण	राज्य स्तर पर	05.04.2023
2	ऑर्गेनाइजर्स संगोष्ठी	मण्डल स्तर पर	05.04.2023
3	विश्व स्वास्थ्य दिवस– जनचेतना अभियान	ग्रुप / स्थानीय संघ / जिला	07.04.2023
4	ट्रेनर्स मीट	माउण्ट आबू केन्द्र न. 1	09 से 10.04.2023 तक
5	राज्य स्तरीय ऑर्गेनाइजर्स संगोष्ठी	माउण्ट आबू केन्द्र न. 1	12 से 13.04.2023
6	तदर्थ जिला कार्यकारिणी बैठक	जिला स्तर	15.04.2023 तक
7	पृथ्वी दिवस–परिण्डा एवं चुग्गा पात्र महा अभियान प्रारम्भ	ग्रुप / स्थानीय संघ / जिला	22.04.2023
8	राज्य स्तरीय एडवेंचर गतिविधियां	मण्डल स्तर पर	26 से 30.04.2023 तक
9	प्रेसिडेन्ट स्काउट / गाइड / रोवर / रेंजर तैयारी / जांच शिविर	मण्डल स्तर पर	26 से 30.04.2023 तक
10	सचिव एवं संयुक्त सचिव संगोष्ठी	जिला स्तर	30.04.2023 तक
11	जिला मूल्यांकन समिति बैठक	जिला स्तर पर	30.04.2023 तक
12	प्रशासनिक प्रतिवेदन एवं गणना भिजवाना	राज्य मुख्यालय पर	30.04.2023 तक
13	MOP पर कार्य (प्रोजेक्ट कार्य संख्या 07, 10, 11, 13)	ग्रुप / स्थानीय संघ / जिला	प्रतिमाह
14	नेशनल ग्रीन कोर गतिविधि	ग्रुप / स्थानीय संघ / जिला	प्रतिमाह
15	नो बैग डे के अन्तर्गत स्काउटिंग / गाइडिंग गतिविधि संचालन	ग्रुप / स्थानीय संघ / जिला	प्रत्येक शनिवार
मई, 2023			
16	विश्व प्रवासी पक्षी दिवस – परिण्डा एवं चुग्गा पात्र	सभी स्तरों पर	09.05.2023
17	स्काउटर / गाइडर बेसिक कोर्स	जिला / मण्डल स्तर	05 से 11.05.2023 तक
18	प्रेसिडेन्ट रोवर जांच शिविर	माउण्ट आबू / सिरोही	12 से 16.05.2023 तक
19	प्रेसिडेन्ट स्काउट जांच शिविर	पुष्करघाटी, अजमेर	12 से 16.05.2023 तक
20	प्रेसिडेन्ट गाइड जांच शिविर	म.मु. बनीपार्क जयपुर	12 से 16.05.2023 तक
21	प्रेसिडेन्ट रेंजर जांच शिविर	जगतपुरा, जयपुर	12 से 16.05.2023 तक
22	कौशल विकास प्रशिक्षण शिविर (अभिरूचि केन्द्र)	स्थानीय संघ / जिला	17 मई से 25 जून 2023
23	स्वतंत्र रोवर लीडर बेसिक कोर्स	आबू पर्वत केन्द्र नं. 01	18 से 24.05.2023 तक
24	कब / स्काउट मास्टर एडवांस कोर्स	आबू पर्वत केन्द्र नं. 01	18 से 24.05.2023 तक
25	जैव विविधता दिवस – प्रतियोगिताएं / वार्ताएँ	सभी स्तरों पर	22.05.2023
26	फ्लॉक लीडर / गाइड केप्टिन / रेंजर लीडर एडवांस कोर्स	आबू पर्वत केन्द्र नं. 01	26.05 से 01.06.2023 तक
27	राष्ट्रपति गाइड प्रशिक्षण शिविर	आबू पर्वत केन्द्र नं. 01	26 से 30.05.2023
28	तम्बाकू निषेध दिवस – प्रतियोगिताएं	ग्रुप / स्था. संघ / जिला स्तर	31.05.2023
29	पदक / अलंकार पुरस्कार हेतु आवेदन भिजवाना	राज्य स्तर पर	31.05.2023
30	जल सेवा / परिण्डा / चुग्गा पात्र अभियान	सभी स्तरों पर	प्रतिमाह
31	नेशनल ग्रीन कोर गतिविधियां	जिला / मण्डल स्तर	प्रतिमाह
32	MOP पर कार्य (प्रोजेक्ट कार्य संख्या 1, 14)	ग्रुप / स्थानीय संघ / जिला	प्रतिमाह
जून, 2023			
33	कौशल विकास प्रशिक्षण शिविर	स्थानीय संघ / जिला	01 से 25.06.2023 तक
34	प्रेसिडेन्ट स्काउट प्रशिक्षण शिविर	आबू पर्वत नं. 01	02 से 06.06.2023 तक
35	विश्व पर्यावरण दिवस – स्काउट / गाइड मैराथन	सभी स्तरों पर	05.06.2023
36	कमिश्नर बेसिक कोर्स	आबू पर्वत नं. 01	08 से 12.06.2023
37	रोवर / रेंजर साहसिक शिविर	कुर्सियांग दार्जिलिंग(वेस्ट बंगाल)	08 से 12.06.2023

38	स्काउटर/गाइडर शैक्षणिक भ्रमण	कुर्सियांग दार्जिलिंग(वेस्ट बंगाल)	12 से 16.06.2023
39	सचिव प्रशिक्षण शिविर	आबू पर्वत नं. 01	14 से 18.06.2023
40	जल सेवा अभियान	सभी स्तरों पर	20.06.2023 तक
41	विश्व योग दिवस	सभी स्तरों पर	21.06.2023
42	मण्डल स्तरीय ऑर्गेनाइजर संगोष्ठी	मण्डल स्तर	30.06.2023 तक
43	स्थानीय संघ वार्षिक अधिवेशन	स्थानीय संघ स्तर पर	30.06.2023 तक
44	नेशनल ग्रीन कोर गतिविधियां	जिला/मण्डल स्तर	प्रतिमाह
45	MOP पर कार्य (प्रोजेक्ट कार्य संख्या 1, 14)	ग्रुप/स्थानीय संघ/जिला	प्रतिमाह
46	नो बैग डे के अन्तर्गत स्काउटिंग/गाइडिंग गतिविधि संचालन	ग्रुप/स्थानीय संघ/जिला	प्रत्येक शनिवार

जुलाई, 2023

47	विजन 2033 कार्य योजना	उदयपुर	05 से 07.07.2023 तक
48	विश्व जनसंख्या दिवस–(जन चेतना रैली)	ग्रुप/स्थानीय संघ स्तर	11.07.2023
49	स्काउटर/गाइडर एवं ट्रेनिंग कॉउन्सलर अभिनवन शिविर	जिला स्तर	13 जुलाई 2023
50	जिला कार्यकारिणी सभा– तदर्थ	जिला स्तर पर	15.07.2023 तक
51	प्रधानमंत्री शील्ड प्रतियोगिता लॉग बुक भेजना	राज्य मुख्यालय पर	15.07.2023 तक
52	ट्रेनिंग कॉउन्सलर/ए.डी.सी द्वारा ग्रुप संभाल	स्थानीय संघ स्तर पर	20 से 26.07.2023 तक
53	स्टेट एडवेंचर प्रोग्राम	आबू पर्वत केन्द्र न.1	21 से 25.07.2023 तक
54	एडवेंचर प्रोग्राम	मण्डल स्तर पर	25 से 29.07.2023 तक
55	नेशनल ग्रीन कोर गतिविधिां (एक दिवसीय वन भ्रमण)	ग्रुप स्तर पर	31.07.2023 तक
56	विद्यालय स्वच्छता अभियान	ग्रुप स्तर पर	31.07.2023 तक
57	ग्रुप स्तरीय हाइक (पैदल) स्काउट/गाइड/रोवर/रेंजर	ग्रुप स्तर पर	31.07.2023 तक
58	राज्य पुरस्कार प्रशिक्षण शिविर स्काउट/गाइड/रोवर/रेंजर	जिला स्तर पर	31.07.2023 तक
59	सचिव/संयुक्त सचिव संगोष्ठी	मण्डल स्तर पर	31.07.2023 तक
60	प्रभारी सहायक जिला कमिश्नर सेमिनार	मण्डल स्तर पर	31.07.2023 तक
61	मण्डल स्तरीय ऑर्गेनाइजर्स संगोष्ठी	मण्डल स्तर पर	31.07.2023 तक
62	संस्था प्रधान सेमिनार	स्थानीय संघ स्तर पर	31.07.2023 तक
63	गोल्डन ऐरो अवार्ड फॉर्म भिजवाना	राज्य मुख्यालय	31.07.2023 तक
64	जिला परिषद वार्षिक अधिवेशन	जिला स्तर पर	31.07.2023 तक
65	राज्य वित्त समिति सभा	राज्य मुख्यालय	31.07.2023 तक
66	राज्य कार्यकारिणी सभा	राज्य मुख्यालय	31.07.2023 तक
67	जनजाति गतिविधियां	ग्रुप/जिला/मण्डल स्तर पर	प्रतिमाह
68	MOP पर कार्य (प्रोजेक्ट कार्य संख्या 4, 14)	ग्रुप/स्थानीय संघ/जिला	प्रतिमाह
69	नो बैग डे के अन्तर्गत स्काउटिंग/गाइडिंग गतिविधि संचालन	ग्रुप/स्थानीय संघ/जिला	प्रत्येक शनिवार

अगस्त, 2023

70	स्काउटर गाइडर बेसिक कोर्स (केजीबीवी, महात्मा गांधी, मॉडल विद्यालयों के लिए)	मण्डल स्तर	01 से 07.08.2023
71	राज्य स्तरीय सचिव संगोष्ठी	बनीपार्क, जयपुर	03.08.2023
72	राज्य स्तरीय प्रभारी कमिश्नर संगोष्ठी	बनीपार्क, जयपुर	04.08.2023
73	राज्य पुरस्कार पंजीकरण ऑनलाइन फॉर्म भिजवाना	मण्डल स्तर	15.08.2023 तक
74	जिला परिषद वार्षिक अधिवेशन	जिला स्तर पर	15.08.2023 तक
75	स्वतन्त्रता दिवस	सभी स्तरों पर	15.08.23 तक
76	सद्भावना दिवस (राज्य स्तरीय साइकिल हाइक)	स्थानीय/जिला/मण्डल स्तर	16 से 20.08.2023 तक
77	स्टेट एडवेंचर प्रोग्राम	आबू पर्वत न.1	21 से 25.08.23 तक
78	महाविद्यालय प्राचार्य, रोवर/रेंजर लीडर संगोष्ठी	मण्डल स्तर	31.08.2023 तक
79	राज्य परिषद् का वार्षिक अधिवेशन	कोटा	28.08.2023 तक
80	ऑर्गेनाइजिंग कमिश्नर सभा	कोटा	29.08.2023 तक
81	राज्य पुरस्कार रोवर/रेंजर प्रशिक्षण शिविर	मण्डल/जिला स्तर	30.08.2023 तक

82	निपुण रोवर/रेंजर प्रशिक्षण शिविर	जिला स्तर	30.08.2023 तक
83	रोवर/रेंजर विकास समिति सभा	मण्डल स्तर पर	31.08.2023 तक
84	चतुर्थ चरण/हीरक पंख/गोल्डन ऐरो प्रशिक्षण शिविर	जिला स्तर पर	31.08.2023 तक
85	द्वितीय/तृतीय सोपान/टोली नायक प्रशिक्षण शिविर	स्थानीय संघ स्तर	31.08.2023 तक
86	राज्य पुरस्कार पंजीकरण ऑनलाइन फॉर्म भिजवाना	राज्य मुख्यालय	31.08.2023 तक
87	हिमालय वुड बैज री–यूनियन	मण्डल स्तर	31.08.2023 तक
88	कम्यूनिटी डवलपमेन्ट सेमिनार	मण्डल स्तर पर	31.08.2023 तक
89	कब/बुलबुल भ्रमण	स्थानीय संघ स्तर पर	31.08.2023 तक
90	नेशनल ग्रीन कोर गतिविधियां	जिला/मण्डल स्तर	प्रतिमाह
91	जनजाति गतिविधियां	ग्रुप/जिला/मण्डल स्तर पर	प्रतिमाह
92	MOP पर कार्य (प्रोजेक्ट कार्य संख्या 15)	ग्रुप/स्थानीय संघ/जिला	प्रतिमाह
93	नो बैग डे के अन्तर्गत स्काउटिंग/गाइडिंग गतिविधि संचालन	ग्रुप/स्थानीय संघ/जिला	प्रत्येक शनिवार

सितम्बर, 2023

94	शिक्षक दिवस	ग्रुप/स्थानीय संघ पर	05.09.2023 तक
95	उद्योग पर्व सप्ताह	ग्रुप/स्थानीय संघ स्तर	07 से 14.09.2023 तक
96	विश्व साक्षरता दिवस	ग्रुप स्तर	08..09.2023
97	प्रेसिडेन्ट रोवर/रेंजर प्रशिक्षण शिविर	आबू पर्वत नं. 01	11 से 15.09.2023 तक
98	राज्य स्तरीय जनजाति महोत्सव	उदयपुर	11 से 15.09.2023 तक
99	स्थानीय संघ स्तरीय रैलियां	स्थानीय संघ स्तर पर	11 से 16.09.2023 तक
100	स्काउटर/गाइडर बेसिक कोर्स	जिला/मण्डल स्तर	12 से 18.09.2023 तक
101	स्काउटर/गाइडर एडवांस कोर्स	मण्डल स्तर पर	12 से 18.09.2023 तक
102	गाइडर अध्ययन शिविर	मण्डल स्तर पर	16 से 18.09.2023
103	विश्व ओजोन दिवस – वार्ताएं	सभी स्तर	16.09.2023 तक
104	श्री गणेश जी मेला	सवाई माधोपुर	19.09.2023 तक
105	रामदेवरा मेला सेवा शिविर	पोकरण, जैसलमेर	20 से 26.09.2023 तक
106	स्टेट एडवेंचर प्रोग्राम	आबू पर्वत	21 से 25.09.2023 तक
107	कब बुलबुल एक रात्रि शिविर	स्थानीय संघ स्तर पर	30.09.2023 तक
108	नेशनल ग्रीन कोर गतिविधियां	जिला/मण्डल स्तर	प्रतिमाह
109	MOP पर कार्य (प्रोजेक्ट कार्य संख्या 3, 15, 16)	ग्रुप/स्थानीय संघ/जिला	प्रतिमाह
110	नो बैग डे के अन्तर्गत स्काउटिंग/गाइडिंग गतिविधि संचालन	ग्रुप/स्थानीय संघ/जिला	प्रत्येक शनिवार

अक्टूबर, 2023

111	गांधी/शास्त्री जयन्ती– प्रार्थना सभा	ग्रुप/स्थानीय संघ स्तर	02.10.2023
112	षष्ठर प्रशिक्षण (कब/बुलबुल) कब/बुलबुल उत्सव	जिला स्तर	02 से 04.10.2023 तक
113	प्रकृति अध्ययन शिविर	ग्रुप स्तर पर	04 से 06.10.2023 तक
114	दशहरा मेला सेवा शिविर	मण्डल कोटा	22 से 26.10.2023 तक
115	राज्य पुरस्कार स्काउट/गाइड अनुशंषा शिविर	जिला/मण्डल स्तर	10 से 12.10.2023 तक
116	राज्य पुरस्कार रोवर/रेंजर अनुशंषा शिविर	मण्डल स्तर	13 से 15.10.2023 तक
117	स्काउटर/गाइडर बेसिक कोर्स	जिला/मण्डल स्तर	07 से 13.10.2023 तक
118	स्टेट एडवेंचर प्रोग्राम	आबू पर्वत नं. 1	21 से 25.10.2023 तक
119	MOP पर कार्य (प्रोजेक्ट कार्य संख्या 16)	ग्रुप/स्थानीय संघ/जिला	प्रतिमाह
120	नेशनल ग्रीन कोर गतिविधियां	ग्रुप/जिला/मण्डल स्तर	प्रतिमाह
121	नो बैग डे के अन्तर्गत स्काउटिंग/गाइडिंग गतिविधि संचालन	ग्रुप/स्थानीय संघ/जिला	प्रत्येक शनिवार

नवम्बर, 2023

122	भारत स्काउट/गाइड स्थापना दिवस	ग्रुप/स्थानीय संघ/सभी स्तर	07.11.2023 तक
123	स्टेट एडवेंचर प्रोग्राम	आबू पर्वत न.1	21 से 25.11.2023 तक
124	पुष्कर मेला सेवा शिविर	पुष्कर, अजमेर	23 से 27.11.2023 तक

125	कोलायत मेला सेवा शिविर	कोलायत, बीकानेर	25 से 27.11.2023 तक
126	कब/बुलबुल एक रात्रि शिविर	स्थानीय संघ स्तर पर	30.11.2023 तक
127	द्वितीय/तृतीय सोपान स्काउट/गाइड जाँच शिविर	स्थानीय संघ स्तर पर	30.11.2023 तक
128	ग्रामीण रोवर/रेंजर निपुण प्रशिक्षण शिविर	जिला स्तर पर	30.11.2023 तक
129	निःशक्तजन स्काउट/गाइड प्रशिक्षण शिविर	मण्डल स्तर पर	30.11.2023 तक
130	अनाथालय स्काउट/गाइड प्रशिक्षण शिविर	मण्डल स्तर पर	30.11.2023 तक
131	अनुसूचित जाति स्काउट/गाइड प्रशिक्षण शिविर	जिला स्तर पर	30.11.2023 तक
132	ग्रुप वार्षिक शिविर	ग्रुप स्तर	30.11.2023 तक
133	प्रेसिडेन्ट स्काउट/गाइड/रोवर/रेंजर आवेदन फार्म भिजवाना	राज्य मुख्यालय स्तर	30.11.2023 तक
134	चतुर्थ चरण, हीरक पंख, फॉर्म भिजवाना	सभी स्तरों पर	30.11.2023 तक
135	स्वच्छ भारत मिशन पर कार्य	सभी स्तरों पर	प्रतिमाह
136	MOP पर कार्य (प्रोजेक्ट कार्य संख्या 17)	ग्रुप/स्थानीय संघ/जिला	प्रतिमाह
137	नो बैग डे अन्तर्गत स्काउटिंग/गाइडिंग गतिविधि संचालन	ग्रुप/स्थानीय संघ/जिला	प्रत्येक शनिवार

दिसम्बर, 2023

138	विश्व एड्स दिवस–(संगोष्ठी/वार्ताएं)	ग्रुप स्तर पर	01.12.2023
139	मानवाधिकार दिवस	ग्रुप/स्थानीय संघ स्तर	10.12.2023 तक
140	स्टेट एडवेंचर प्रोग्राम	आबू पर्वत न. 1	21 से 25.12.2023 तक
141	रोवर मूट/रेंजर मीट	उदयपुर	26 से 30.12.2023
142	नेशनल ग्रीन कोर गतिविधियां	ग्रुप/स्थानीय संघ/जिला स्तर	प्रतिमाह
143	स्वच्छ भारत मिशन पर कार्य	जिला स्तर	प्रतिमाह
144	MOP पर कार्य (प्रोजेक्ट कार्य संख्या 5)	जिला स्तर	प्रतिमाह
145	नो बैग डे के अन्तर्गत स्काउटिंग/गाइडिंग गतिविधियां	ग्रुप/स्थानीय संघ/जिला	प्रत्येक शनिवार

जनवरी, 2024

146	डेजर्ट ट्रेकिंग शिविर	जैसलमेर	09 से 13.01.2024
147	युवा दिवस	स्थानीय संघ /जिला स्तर पर	12.01.2024 को
148	स्थानीय संघ स्तरीय रैलीयां	स्थानीय संघ स्तर	17 से 22.01.2024 तक
149	हिमालय वुड बैज कोर्स – स्काउट गाइड विंग	पुष्करघाटी, अजमेर	17 से 23.01.2024 तक
150	प्रेसिडेंट स्काउट, गाइड, रोवर, रेंजर तैयारी शिविर	मण्डल स्तर पर	18 से 22.01.2024 तक
151	गणतन्त्र दिवस	सभी स्तरों पर	26.01.2024
152	शहीद दिवस – प्रार्थना सभा	ग्रुप/स्थानीय संघ स्तर	30.01.2024
153	नेशनल ग्रीन कोर गतिविधियां	ग्रुप/जिला/मण्डल स्तर पर	प्रतिमाह
154	जनजाति गतिविधियां	ग्रुप/जिला/मण्डल स्तर पर	प्रतिमाह
155	स्वच्छ भारत मिशन पर कार्य	जिला स्तर पर	प्रतिमाह
156	MOP पर कार्य (प्रोजेक्ट कार्य संख्या 8, 12)	जिला स्तर पर	प्रतिमाह
157	नो बैग डे के अन्तर्गत स्काउटिंग/गाइडिंग गतिविधियां	ग्रुप/स्थानीय संघ/जिला	प्रत्येक शनिवार

फरवरी, 2024

158	द्वितीय/तृतीय सोपान प्रशिक्षण शिविर	स्थानीय संघ स्तर	01 से 05.02.2024
159	स्काउटर गाइडर बेसिक कोर्स	जिला/मण्डल स्तर	01 से 07.02.2024
160	उर्स मेला अजमेर	मण्डल स्तर पर	03 से 09.02.2024
161	द्वितीय/तृतीय सोपान जांच शिविर	स्थानीय संघ स्तर	06 से 08.02.2024
162	नेशनल ग्रीन कोर गतिविधियां	ग्रुप/जिला/मण्डल स्तर पर	11 से 17.02.2024 तक
163	ROT कोर्स (स्काउट/गाइड विंग)	बीकानेर	13 से 17.02.2024
164	प्री. ए.एल.टी. कोर्स (स्काउट गाइड विंग)	बीकानेर	13 से 17.02.2024
165	राज्य पुरस्कार समारोह	जगतपुरा, जयपुर	20 से 23.02.2024
166	स्टेट एडवेंचर प्रोग्राम	आबू पर्वत नं. 1	21 से 25.02.2024
167	कब/बुलबुल उत्सव	बीकानेर	21 से 23.02.2024

168	विश्व स्काउट दिवस/गाइड चिन्तन दिवस	सभी स्तरों पर	22.02.2024
169	मण्डल स्तरीय एडवेंचर गतिविधियां	मण्डल स्तर	24 से 28.02.2024
170	राज्य पुरस्कार प्रशिक्षण शिविर	जिला/मण्डल स्तर	28.02.2024 तक
171	बेणेश्वर मेला सेवा शिविर	डूंगरपुर	मेले के अनुसार
172	जनजाति गतिविधियां	ग्रुप/जिला/मण्डल स्तर पर	प्रतिमाह
173	स्वच्छ भारत मिशन पर कार्य	जिला स्तर पर	प्रतिमाह
174	MOP पर कार्य (प्रोजेक्ट कार्य संख्या 8, 12, 17)	जिला स्तर पर	प्रतिमाह
175	नो बैग डे के अन्तर्गत स्काउटिंग/गाइडिंग गतिविधियां	ग्रुप/स्थानीय संघ/जिला	प्रत्येक शनिवार

मार्च, 2024

176	खाटू श्याम जी मेला शिविर सीकर	राज्य स्तर	मेले के अनुसार
177	ऑर्गेनाइजिंग कमिश्नर सभा	जयपुर	06 से 08.03.2024 तक
178	दिव्यांग गतिविधियां	ग्रुप/जिला/मण्डल स्तर पर	15.03.2024 तक
179	अनाथालय गतिविधियां	ग्रुप/जिला/मण्डल स्तर पर	15.03.2024 तक
180	पालनहार गतिविधियां	ग्रुप/जिला/मण्डल स्तर पर	15.03.2024 तक
181	अनुसूचित जाति स्काउट/गाइड प्रशिक्षण शिविर	ग्रुप/जिला/मण्डल स्तर पर	15.03.2024 तक
182	जनजाति गतिविधियां	ग्रुप/जिला/मण्डल स्तर पर	15.03.2024 तक
183	ग्रामीण गतिविधियां	ग्रुप/जिला/मण्डल स्तर पर	15.03.2024 तक
184	स्टेट एडवेंचर प्रोग्राम	आबू पर्वत नं. 1	21 से 25.03.2024 तक
185	सचिव/सर्कल ऑर्गेनाइजर्स सभा	मण्डल स्तर पर	31.03.2024 तक
186	जिला कार्यकारिणी सभा	जिला स्तर पर	31.03.2024 तक
187	प्लानिंग कमेटी	राज्य मुख्यालय, जयपुर	31.03.2024 तक
188	राज्य कार्यकारिणी सभा	राज्य स्तर पर	31.03.2024 तक
189	नेशनल ग्रीन कोर गतिविधियां	ग्रुप/जिला/मण्डल स्तर पर	प्रतिमाह
190	स्वच्छ भारत मिशन पर कार्य	जिला स्तर पर	प्रतिमाह
191	MOP पर कार्य (प्रोजेक्ट कार्य संख्या 11, 13)	जिला स्तर पर	प्रतिमाह
192	नो बैग डे के अन्तर्गत स्काउटिंग/गाइडिंग गतिविधियों का संचालन	ग्रुप/स्थानीय संघ/जिला	प्रत्येक शनिवार

01. शांति दूत - Messenger of Peace (MOP) प्रोजेक्ट के सतत विकास लक्ष्यों की सूची निम्नानुसार है-

1. गरीबी का अंत
2. भुखमरी समाप्त करना
3. स्वस्थ जीवन एवं आरोग्य
4. गुणवत्तापूर्ण शिक्षा
5. लैंगिक समानता
6. शुद्ध जल एवं स्वच्छता
7. किफायती एवं स्वच्छ ऊर्जा
8. सम्मानजनक कार्य और आर्थिक विकास
9. उद्योग, नवाचार और अवसंरचना
10. असमानता में कमी
11. संधारणीय शहर एवं समुदाय
12. सतत उपभोग एवं उत्पादन
13. जलवायु परिवर्तन
14. पानी में जीवन (जलीय जीव संरक्षण)
15. भूमि पर जीवन (वृक्ष, पक्षी, वन्यजीव संरक्षण)
16. शांति, न्याय और सुदृढ़ संस्थान
17. लक्ष्यों के लिए भागीदारी

विशेष :-

1. राज्य सरकार द्वारा बजट प्राप्ति एवं तत्कालीन परिस्थितियों के मध्य नजर माननीय स्टेट चीफ कमिश्नर महोदय की सहमति से गतिविधियों के आयोजन एवं तिथियों में परिवर्तन सम्भव है।
2. उपरोक्त वार्षिक कार्यक्रम दिनांक 28 मार्च, 2023 को आयोजित राज्य कार्यकारिणी समिति की सभा से अनुमोदित है।

राज्य सचिव

राजस्थान राज्य भारत स्काउट्स व गाइड्स

राज्य मुख्यालय

जवाहरलाल नेहरू मार्ग, बजाज नगर, जयपुर
टेलीफोन नं: 0141–2706830, 2941098 E-mail : rajscoutguide@yahoo.com

क्रमांक – रा.मु./एफ.1(3)/सं.रा.स./2023–24/99 दिनांक – 04/04/2023

कार्यालय आदेश

राज्य कार्यकारिणी समिति सभा दिनांक 28.3.2023 के निर्णयानुसार प्रशिक्षण शिविरों आदि में लिए जाने वाले भोजन शुल्क में निम्नानुसार वृद्धि की जाती है :–

क्र.सं.	विवरण	शुल्क वृद्धि
1.	कब/बुलबुल	80/– रु. के स्थान पर 110/– रु. प्रति संभागी प्रतिदिन
2.	स्काउट/गाइड	80/– रु. के स्थान पर 110/– रु. प्रति संभागी प्रतिदिन
3.	रोवर/रेंजर	110/– रु. के स्थान पर 150/– रु. प्रति संभागी प्रतिदिन
4.	स्काउटर/गाइडर	150/– रु. के स्थान पर 200/– रु. प्रति संभागी प्रतिदिन

उक्त दरें दिनांक 1.4.2023 से प्रभावी होगी।

PCJain
(डॉ. पी. सी. जैन) 4.4.23
राज्य सचिव

क्रमांक – रा.मु./एफ.1(3)/सं.रा.स./2023–24/100–105 दिनांक – 04/04/2023

प्रतिलिपि – सूचनार्थ एवं आवश्यक कार्यवाही हेतु प्रेषित है :–

1. राज्य पदाधिकारीगण, समस्त
2. सहायक राज्य संगठन आयुक्त, समसत
3. सर्कल ऑर्गेनाइजर (स्काउट/गाइड) समसत
4. सचिव, स्थानीय संघ, समस्त
5. लेखा लेखा शाखा रा.मु. जयपुर
6. सहायक प्रोग्रमार, रा.मु. जयपुर ई–मेल
7. कार्यालय प्रति

PCJain
(डॉ. पी. सी. जैन) 4.4.23
राज्य सचिव

पृष्ठ सं. 17 का शेष

अनुशासन की महत्ता

सभी स्काउट–गाइड रोवर–रेंजर को ध्यान रखना चाहिये कि अनुशासन का वास्तविक अर्थ अपनी दूषित और दूसरों को हानि पहुँचाने वाली प्रवृत्तियों पर नियंत्रण करना है। अनुशासन के लिए बाहरी नियंत्रण की अपेक्षा आत्मनियंत्रण करना अधिक आवश्यक है। वास्तविक अनुशासन वही है जो कि मानव की आत्मा से सम्बन्ध हो क्योंकि शुद्ध आत्मा कभी भी मानव को अनुचित कार्य करने को प्रोत्साहित नहीं करती।

विश्व के फेमस स्काउट्स

अंतरिक्ष यात्री नील आर्मस्ट्रांग

क्या आपको पता है ? –

चाँद पर कदम रखने वाले पहले दो आदमी स्काउट्स थे ?

20 जुलाई, 1969 में ईगल स्काउट नील आर्मस्ट्रांग और एडविन ''बज़'' एल्ड्रिन (टेंडरफुट) चंद्रमा पर चलने वाले पहले पुरुष बने।

स्काउटिंग के प्रशिक्षण द्वारा नेतृत्व कौशल के गुण में विकास होता है। बचपन से ही बालक-बालिकाओं में विकसित हुए नेतृत्व कौशल से उन्हें भावी जीवन में कदम-कदम पर मदद मिलती है। नासा में नेतृत्व कौशल का गुण अंतरिक्ष यात्रियों को तैयार करने में मदद करता है।

अमेरिका में 1959 से अंतरिक्ष यात्रियों के रूप में चुने गए 312 पायलटों और वैज्ञानिकों में से कम से कम 207 व्यक्तियों की पहचान स्काउट्स या स्काउटिंग में सक्रिय होने के रूप में की गई है। इस सूची में 39 ईगल स्काउट्स, 25 लाइफ स्काउट्स, 14 स्टार स्काउट्स, 26 प्रथम श्रेणी स्काउट्स, 17 द्वितीय श्रेणी स्काउट्स, 13 टेंडरफुट स्काउट्स, 3 एक्सप्लोरर्स, 25 क्यूब स्काउट्स, 10 वेबेलोस स्काउट्स, 1 किंग्स स्काउट्स, 2 वुल्फ स्काउट्स और 32 वे लोग शामिल हैं जिनकी रेंक पता नहीं है, जिनमें 27 गर्ल स्काउट्स हैं।

मिशन अपोलो 9 से अपोलो 17 के माध्यम से अब तक 24 लोगों ने चंद्रमा की यात्रा की हैं, जिनमें से 21 स्काउट थे। 12 पुरुषों में से 10 वे शामिल थे, जो शारीरिक रूप से चंद्रमा की सतह पर चले थे, जिनमें अपोलो 13 के तीनों चालक दल सदस्य भी सम्मिलित थे। इनमें से 3 सदस्यों ने तो दो बार चंद्रमा की यात्रा की है।

20 जुलाई, 1969 को चंद्रमा पर चलने वाले पहले व्यक्ति नील आर्मस्ट्रांग एक ईगल स्काउट रहे हैं, और वे स्काउटिंग के विशिष्ट ईगल स्काउट पुरस्कार और सिल्वर बफेलो पुरस्कार से भी सम्मानित हैं।

उक्त जानकारी 'चिकसॉ कौंसिल, बॉय स्काउट्स ऑफ अमेरिका' की वेबसाइट से लेकर प्रकाशित की गई है।

"A Scout/Guide should save animals as far as possible from pain, and should not kill any animal unnecessarily, not even the smallest of God's creatures."

Lord Baden Powell
Founder of Scouting

दक्षता पदक

स्काउट गाइड ज्योति में दक्षता पदकों की विस्तृत जानकारी प्रस्तुत की जा रही हैं। आशा है यह जानकारी प्रशिक्षण के मद्देनज़र उपयोगी साबित होगी। इस अंक में **'सुरक्षा ज्ञान'** दक्षता बैज की जानकारी दी जा रही है।

सुरक्षा ज्ञान
SAFETY KNOWLEDGE

युवा पीढ़ी को सुरक्षा के उपायों से अवगत कराने और इसके समय पर उपयोग की जानकारी प्रदान करने के उद्देश्य से सुरक्षा ज्ञान दक्षता बैज का पाठ्यक्रम निर्धारित किया गया है। किन–किन परिस्थितियों में क्या–क्या सुरक्षा रखनी चाहिए का ज्ञान इस बैज का अहम् हिस्सा है। सुरक्षा ज्ञान दक्षता बैज के लिए निम्नानुसार दो परीक्षाएं उत्तीर्ण करनी होगी –

(अ) व्यक्तिगत परीक्षा –

(1) 'सुरक्षा पहले' शब्द की उत्पत्ति के बारे में तथा इसके वास्तविक अर्थ, जैसे–अधिक और अच्छे साहसपूर्ण जीवन के लिए सुरक्षा, को जानें।

(2) चलना–सड़क के नियम तथा फुटपाथ पर चलना जाने।

(3) सड़क को पार करना–मार्गों व गलियों के चौराहों तथा पैदल चलने वालों के लिए सड़क को पार करने के बुनियादी नियमों की जानकारी हो। यातायात नियंत्रण तथा प्रकाश–नियंत्रण संकेतों के अनुसार सड़क पार करना जाने।

(4) सार्वजनिक सेवा वाहन–बसों, ट्रामों, कारों तथा रेल के डब्बों से उतरना व चढ़ना जाने।

(5) वाहन चालकों के प्रति यात्री के कर्त्तव्य–चालक को बराबर व पीछे की ओर देखने में विघ्न न डालना, हाथ के संकेतों, नियंत्रकों के साथ छेड़–छाड़ न करना, दरवाजों को बन्द रखना, सड़क के ठीक किनारे की ओर उतरना जानें।

(ब) सामूहिक परीक्षा –

(6) विद्यालय की सुरक्षा टोली–इसका कार्य छात्रों का विद्यालय में आते या विद्यालय से जाते समय तथा प्रमुख सड़क चौराहों को पार करने में निर्देश देना है।

(7) यातायात का खेल–इसके द्वारा सड़क पार करने वाले सभी श्रेणियों के व्यक्तियों को नाटकीय विधि से सही व्यवहार करना सिखाया जाना है।

(8) गृह–सज्जा–गिरने, आग से जलने, झुलसने, घर में खतरनाक सूक्ष्म–विद्युतीय उपकरणों का निरीक्षण करने व उसके सुरक्षा उपायों के बारे में शिक्षित करना।

(9) औद्योगिक सुरक्षा–औजारों के सुरक्षित उपयोग, मशीनों, कपड़ों और घर के रख रखाव की सुरक्षा की जानकारी।

(10) विविध सुरक्षा–बन्दूक आदि से सुरक्षा, जलते हुए व्यक्ति को बचाने, फायर ब्रिगेड (अग्निशमन दल) को बुलाने, पतंग उड़ाने, आकाशीय बिजली गिरने आदि के सुरक्षा उपाय जानना।

फार्म – 4

RNI No. - RAJ BIL/2000/1835

1.	प्रकाशन स्थान	जयपुर
2.	प्रकाशन अवधि	मासिक
3.	मुद्रक का नाम	हरिहर प्रिन्टर्स, जे–97, अशोक चौक, आदर्श नगर, जयपुर
	क्या भारत का नागरिक है?	हाँ
	यदि विदेशी है तो मूल देश	नहीं
	पता	हरिहर प्रिन्टर्स, जे–97, अशोक चौक, आदर्श नगर, जयपुर
4.	प्रकाशक का नाम	राज्य सचिव, राजस्थान राज्य भारत स्काउट व गाइड, राज्य मुख्यालय, जयपुर
	क्या भारत का नागरिक है?	हाँ
	यदि विदेशी है तो मूल देश	नहीं
	पता	जवाहर लाल नेहरू मार्ग, बजाज नगर, जयपुर – 302015 (राजस्थान)
5.	सम्पादक का नाम	डॉ. पी.सी. जैन
	क्या भारत का नागरिक है?	हाँ
	यदि विदेशी है तो मूल देश	नहीं
	पता	जवाहर लाल नेहरू मार्ग, बजाज नगर, जयपुर – 302015 (राजस्थान)
6.	उन व्यक्तियों के नाम व पता जो समाचार पत्र के स्वामी हों तथा जो समस्त पूंजी के एक प्रतिशत से अधिक के साझेदार या हिस्सेदार हों।	राजस्थान राज्य भारत स्काउट व गाइड, राज्य मुख्यालय, जयपुर – 302015

मैं राज्य सचिव एतदद्वारा घोषित करता हूँ कि मेरी अधिकतम जानकारी एवं विश्वास के अनुसार ऊपर दिए गए विवरण सत्य हैं।

डॉ. पी.सी. जैन

प्रकाशक एवं सम्पादक के हस्ताक्षर

गतिविधि पञ्चांग

राष्ट्रीय पञ्चांग

PROPOSED

NAME OF EVENTS	MONTHS & DATES	VENUE
1st Messemgers of Peace Jamboree	26 - 30 April, 2023	Maligaon, N.F.Railway
Himalaya Wood Badge Course for Ranger Leaders and Flock Leaders	01 - 07 May, 2023	NTC, Pachmarhi
W20 - Be the Change to Lead'-Workshop	09 - 13 May, 2023	NYC, Gadpuri, Haryana
Himalaya Wood Badge Course- Guide Captain	10 - 16 May, 2023	NTC, Pachmarhi
National Level Capacity Building Workshop on "Adult in Scouting"	12 - 16 May, 2023	NTC, Pachmarhi
National Youth Adventure Programme	14 - 18 May, 2023	Manali, Himachal Pradesh
Signalling Course	29 May - 02 June, 2023	NTC, Pachmarhi
Mapping & Star Gazing Course	29 May - 02 June, 2023	NTC, Pachmarhi
Pioneering and Estimation Course	29 May - 02 June, 2023	NTC, Pachmarhi
National Youth Adventure Programme	05 - 09 June, 2023	Manali, Himachal Pradesh
Warden cum Quarter Masters Course	05 - 09 June, 2023	NTC, Pachmarhi
First Aid Course	05 - 09 June, 2023	NTC, Pachmarhi
Pre-ALT Course (Guide Wing)	05 - 09 June, 2023	NTC, Pachmarhi
Leader Trainers Course (Guide Wing)	05 - 11 June, 2023	NTC, Pachmarhi
Basic Course for Commissioners (Common)	12 - 16 June, 2023	NTC, Pachmarhi
National Level Rover/Ranger Samagam	12 - 16 June, 2023	NTC, Pachmarhi
Assistant Leader Trainers Course (Guide Wing)	12 - 18 June, 2023	NTC, Pachmarhi

अन्तर्राष्ट्रीय पञ्चांग

PROPOSED

NAME OF EVENTS	MONTHS & DATES	VENUE
nternational Scout Youth Forum on Scouting in the Post Pandemic World: A Redefinition	29 April - 01 May 2023	Hong Kong
APR Partnerships Forum	25 - 28 May, 2023	Kuala Lumpura, Malaysia
38th World Conference in Nicosia	26 - 31 July, 2023	Cyprus, Nicosia
25th World Scout Jamboree	01 - 12 August, 2023	Saemangeum, Korea

National Headquarters website : www.bsgindia.org

मण्डल स्तरीय ऑर्गेनाइजर्स संगोष्ठी, कोटा मण्डल

मण्डल स्तरीय ऑर्गेनाइजर्स संगोष्ठी, भरतपुर मण्डल

मण्डल स्तरीय ऑर्गेनाइजर्स संगोष्ठी, बीकानेर मण्डल

राजकीय कस्तूरबा गांधी आवासीय विद्यालय कुचामन सिटी, नागौर में गाइड बालिकाएं विश्व स्वास्थ्य दिवस मनाते हुए

भ्रमण के दौरान ग्रुप फोटो खिंचवाते हुए जैसलमेर जिला स्तरीय अनुसूचित जाति व जनजाति प्रशिक्षण शिविर के शिविरार्थी

आर्य की अध्यक्षता में राज्य कार्यक

समिति की बैठक का आयोजन

राज्य कार्यकारिणी

की बैठक का आ

अध्यक्षता में राज्य कार्य

समिति की बैठक का आयोज

खबरों की दुनिया

श्री आर्य की अध्यक्षता में राज्य कार्यकारि

समिति की बैठक का आयोजन

जयपुर (का.सं.)। राजस्थान राज्य भारत स्काउट व ग

बजाज नगर स्थित राज्य मुख्यालय पर राज्य कार्यकारिणी समि

ठक स्टेट चीफ कमिश्नर निरंजन आर्य, आई.ए.एस. (से.नि

अध्यक्षता में आयोजित की गई, जिसमें संगठन के स्टेट क

हैडक्वार्टर्स) डॉ. अखिल शुक्ला, राज्य कोषाध्यक्ष ललित

तोडिया, राज्य सचिव डॉ. पी.सी. जैन, सहायक स्टेट कमिश्नर

हान, डॉ. सुषमा सिंघवी सहित लगभग 25 सदस्य एवं पदा

था संगठन के अधिकारीगण उपस्थित रहे। स्काउट प्रार्थना के

रम्भ बैठक में सर्वप्रथम राज्य सचिव डॉ. पी.सी. जैन ने पिछली

की अनुपालना रिपोर्ट प्रस्तुत करते हुए वित्त समिति की अभिशं

को सदन के समक्ष रखते हुए सत्र 2023-24 के प्रस्तावित व

कार्यक्रम से अवगत कराया, जिन पर विचार-विमर्श उपरान्त नि

लिये गये। बैठक के दौरान स्टेट चीफ कमिश्नर निरंजन आ

आगामी वर्ष में आयोजित होने वाली गतिविधियों के प्रभावी आय

त निर्देश प्रदान करते हुए उनको विस्तृत सूचना भिजवाने के भी नि

जयपुर, 28 मार्च (ब्यूरो)

भारत स्काउट व गाइड के ब

मुख्यालय पर राज्य कार्यकारि

समाचार–पत्रों में राज्य कार्यकारिणी समिति की बैठक का कवरेज़

की राज्य कार्यकारिणी

समिति की बैठक संपन्न

नवज्योति, जयपुर। राजस्थान राज्य भारत स्काउट व गाइड के बजाज नगर स्थित राज्य मुख्यालय में राज्य कार्यकारिणी समिति की बैठक स्टेट चीफ कमिश्नर निरंजन आर्य की अध्यक्षता में हुई। बैठक में संगठन के स्टेट कमिश्नर (हैडक्वार्टर्स) डॉ. अखिल शुक्ला, राज्य कोषाध्यक्ष ललित ... राज्य सचिव डॉ. पीसी जैन, सहायक स्टेट कमिश्नर

प्रकाशक व मुद्रक : डॉ. पी.सी. जैन, राज्य सचिव, राजस्थान राज्य भारत स्काउट्स व गाइड्स, जवाहर लाल नेहरू मार्ग, जयपुर फोन नं. 0141–2706830 द्वारा मैसर्स हरिहर प्रिण्टर्स, जे–97, अशोक चौक, आदर्श नगर, जयपुर–302004 फोन : 0141–2600850 से मुद्रित।

हिन्दी मासिक एक प्रति ₹ पन्द्रह

प्रकाशन – प्रत्येक माह

पंजीकृत समाचार पत्रों की श्रेणी के अन्तर्गत

आर.एन.आई. नम्बर : RAJ BIL/2000/1835

प्रेषक :–

राजस्थान राज्य भारत स्काउट्स एवं गाइड्स, जवाहर लाल नेहरू मार्ग, बजाज नगर, जयपुर–302015

फोन : 0141–2706830, 2941098

ई–मेल : scoutguidejyoti@gmail.com

Follow us on : facebook.com/scoutguidejyoti